विक्रम संवत् 2078 | हिंदू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-04-2021 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-23 | अंक-20 | भीलवाड़ा/7 अप्रैल, 2021 | कुल पृष्ठ- 12 | मूल्य : 15 रुपए

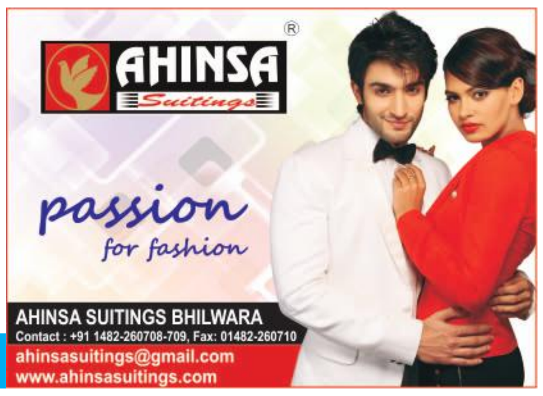

लॉकडाउन की लटकती तलवार से करोड़ों का नुकसान होने का भय

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

अभी सभी प्रकार के धंधे में संघर्ष जारी है। व्यापारियों के पास आर्डर कम हैं। लोग खरीदी में सावधानी बरत रहे हैं। कपड़ों के धंधे में इस सीजन में जैसी ग्राहकी होनी चाहिए, वैसी नहीं है। कच्चे माल तथा फिनिश कपड़ों के बढ़ते भाव पर बाजार में ग्राहकी डावांडोल है। मार्च एंडिंग से भयंकर आर्थिक दबाव है। महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामले कारोबार को अस्थिर बना रहे हैं। लॉकडाउन की लटकी तलवार से अनिश्चितता व्याप्त है। उत्पादन सेंटरों से कारीगरों का पलायन शुरू हो गया है। कॉटन शर्टिंग में 7 से 8 रू के बढ़े भाव पर बाजार में ग्राहकी नहीं है। ब्लीच पोपलीन के महंगा होने से कोई ऊंचा भाव देकर खरीदने को तैयार नहीं है। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि मार्च से लेकर जून तक की अवधि कपड़ा कारोबार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहता है। व्यापारियों तथा उत्पादकों को इस सीजन में पूरे वर्ष के दौरान बिक्री में जो कमी रहती है, उसे पूरी करने का मौका मिलता है। इसमें गर्मी के कपड़ों की ग्राहकी, शादी के फैंसी कपड़ों की ग्राहकी, स्कूल यूनिफॉर्म की ग्राहकी रहने से चौतरफा बाजार में सरगर्मी रहती है। इस बार मार्च नीरस रहा, अप्रैल से शादी के कपड़ों की अच्छी ग्राहकी चलने की उम्मीद पर कोरोना महामारी का बढ़ रहा कहर पानी फेर सकता है। इस भय से आर्डर कैंसल होने लगे हैं। मिलों की व्यापक तैयारी धरी की धरी रह सकती है। ऐसा होने पर कपड़ा उद्योगों को करोड़ों का नुकसान होगा। कपड़ों में ऊंचे भाव पर लेवाली अटक गई है। होलाष्टक होने से कपड़ा बाजार में छुट्टी का माहौल था। कॉटन यार्न के भाव पर कोई लगाम नहीं होने से वीवर्स विचलित हैं। स्पिनरों एवं यार्न एजेंटों की चांदी है, तो छोटे एवं बड़े वीवर्स बाजार की अस्थिरता, घटता उत्पादन, ग्रे एवं फिनिश कपड़ों की बिक्री में आ रही लगातार गिरावट जैसे अनेक कारणों से मूक दर्शक हो गए हैं। क्रूड तेल के भाव घटने से पोलिएस्टर यार्न की भाव वृद्धि रुकने के बाद कुछ गिरावट आई है। इस सीजन में सिंथेटिक कपड़ों की मांग कम होने से पोलिएस्टर यार्न का उठाव कम है, लेकिन कॉटन यार्न और कॉटन कपड़ों में ऐसी तेजी है कि इस भाव पर व्यापारियों के लिए काम करना कठिन हो गया है। कॉटन यार्न के इस भाव पर वीवर्स के लिए ग्रे कपड़ों का उत्पादन जारी रखना आसान नहीं होने से सेंटरों में उत्पादन घट रहा है। गर्मी के दिनों में भिवंडी में पावरलूम इकाईयों के शेड में दोपहर में लूम चलाना कठिन हो जाता है, ऊपर से कॉटन यार्न के तार बार-बार टूटते रहते हैं। अब तो पावरलूम इकाईयों में सप्ताह में दो दिन उत्पादन रोक दिया गया है। ग्रे के एक व्यापारी का कहना है कि रुई के भाव न्यूनतम समर्थन भाव से सिर्फ10 प्रतिशत अधिक हैं, जबकि कॉटन यार्न के भाव करीब 40 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इसी तरह से कॉटन ग्रे कपड़ों के भाव में लगभग 30 से 35 प्रतिशत का उछाल आया है। **शेष पेज 2 पर**

एईपीसी द्वारा कॉटन यार्न निर्यात पर अंकुश लगाने की मांग

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

एपेरल एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल (एइपीसी) ने सरकार से कॉटन यार्न के निर्यात पर अंकुश लगाने की मांग की है, क्योंकि बढ़ते भाव के कारण पूरा कपड़ा उद्योग परेशान है। दूसरी ओर यार्न की अधिक मांग और तेजी के कारण स्पिनिंग मिलों को लाभ होने का अनुमान है।

एइपीसी का कहना है कि सरकार को कॉटन यार्न की निर्यात मात्रा तय करने के साथ ही निर्यात शुल्क भी लगाना चाहिए, ताकि निर्यात कम हो और देश में उपलब्धता बढ़ने के साथ ही भाव पर काबू पाया जा सके। कपड़ा मंत्री सुश्री स्मृति जुबिन ईरानी को लिखे एक पत्र में एइपीसी ने कहा है कि हालांकि सरकार ने कॉटन यार्न के बढ़ते भाव को रोकने के लिए काफी प्रयास किए हैं लेकिन गत चार महीनों से लगातार हो रही भाव वृद्धि से पूरा कपड़ा उद्योग प्रभावित हो रहा है। कौंसिल के चेयरमेन श्री शक्तिवेल ने सुझाव दिया है कि 26 काउण्ट व इससे ऊपर के कॉटन यार्न के निर्यात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने सुश्री ईरानी से हस्तक्षेप करके यार्न निर्माताओं से देश में सप्लाई बढ़ाने का अनुरोध भी किया है। उल्लेखनीय है कि निर्यात मांग के कारण देश में कॉटन यार्न के भाव में पिछले कुछ महीनों से एक तरफा तेजी आ रही है। यही नही, सप्लाई भी अनियमित होने के समाचार हैं। इससे फैब्रिक निर्माताओं से लेकर गारमेंट निर्माताओं का उत्पादन लागत का गणित बिगड़ गया है। श्री शक्तिवेल ने कुछ दिन पूर्व सरकार के हस्तक्षेप के बाद कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानि सीसीआई द्वारा कॉटन के भाव में 1500 रुपए प्रति खंडी तक की कमी करने का स्वागत करते हुए मंत्री महोदया का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सीसीआई द्वारा की गई भाव में कटौती का यार्न के भाव में कमी का कोई असर नहीं आया। उल्लेखनीय है कुछ महीनों से सीसीआई कॉटन के भाव में लगातार बढ़ोतरी कर रही थी, क्योंकि विश्व बाजार में तेजी के साथ ही घरेलू बाजार में भी स्पिनिंग मिलों की मांग अच्छी थी और चीन, बांग्लादेश और अन्य देशों से कॉटन यार्न की मांग लगातार आ रही थी। यही नहीं, सीसीआई के पास कॉटन का सबसे अधिक स्टॉक होने के कारण भी बाजार में भाव बढ़ रहे हैं। सरकार ने इस वर्ष लगभग 92 लाख गांठ कॉटन की खरीद की है, जो देश में कुल उत्पादन अनुमान का लगभग 25 प्रतिशत से अधिक है। वर्ष 2020-21 के दौरान देश में कॉटन का उत्पादन लगभग 360 लाख टन होने का अनुमान है।

एइपीसी का कहना है कि वास्तव में देश में कॉटन यार्न के भाव कॉटन में हुई भाव वृद्धि की तुलना में अधिक बढ़े हैं। यार्न में भाव वृद्धि के कारण फैब्रिक की उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हुई है और इसका असर रेडीमेड गारमेंट के लागत पर भी तेजी का ही आया है। जानकारों का कहना है कि उत्पादन लागत में आशा से अधिक बढ़ोतरी होने के कारण अब रेडीमेड गारमेंट निर्यातकों को अपने पहले से लिए ऑर्डर पूरे करने कठिन हो रहे हैं तथा कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण नए ऑर्डर भी नहीं मिल रहे हैं। श्री शक्तिवेल ने अपने पत्र में लिखा है कि यदि कॉटन यार्न के भाव में कमी नहीं आती है, तो न केवल रेडीमेड गारमेंट उद्योग अपितु टेक्सटाइल की पूरी श्रृंखला पर ही विपरीत असर पड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार कॉटन यार्न के भाव में भारी वृद्धि के कारण अनेक स्थानों पर पावरलूम या तो बंद हो गए हैं या उन्होंने उत्पादन कर दिया है, इससे भी देश में फैब्रिक की कमी बनती नजर आ रही है। श्री शक्तिवेल के अनुसार उन्होंने सरकार को सुझाव दिया है कि कॉटन यार्न के निर्यात पर टैक्स लगाकर भी घरेलू बाजार में इसके भाव को कम किया जा सकता है। ऐसा करने से घरेलू बाजार में रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही गारमेंट निर्यात में भी वृद्धि होगी। उनके अनुसार कॉटन यार्न के निर्यात पर टैक्स लगने से स्पिनिंग उद्योग को कोई नुकसान नहीं होगा और केवल थोड़ा सा मुनाफा कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि कपड़ा व रेडीमेड गारमेंट उद्योग का देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है और न केवल सबसे अधिक रोजगार ही प्रदान कर रहा है, अपितु विदेशी मुद्रा का अर्जन भी कर रहा है।

क्षमता का उपयोग... एजेंसी का अनुमान है कि गत वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में स्पिनिंग उद्योग अपनी स्थापित क्षमता का लगभग 70-80 प्रतिशत उपयोग कर रहा था, जो तीसरी तिमाही में बढ़कर 90 प्रतिशत हो गया। स्पिनिंग उद्योग में क्षमता का उपयोग चालू वित्त वर्ष में भी जारी रहने की संभावना है और इससे मिलों के राजस्व में भी वृद्धि होगी और इससे मिलों का ऑपरेटिंग मार्जिन चालू वर्ष में 200-250 प्वाइंट बढ़ कर लगभग 11 प्रतिशत हो सकता है। इस प्रकार ऑपरेटिंग प्रोफिट लगभग डबल होने का अनुमान है। ऐसे में मिलों के पास स्टॉक में भी कमी आएगी और यह 2-3 माह के स्तर पर आ जाएगा, जबकि गत वर्ष यह 4 माह के बराबर था। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में देश में कॉटन के भाव में कमी आई और आगामी दिनों में भी जारी रह सकती है। क्रिसिल ने स्पिनिंग मिलों को सलाह दी है कि वे घबराहट में कॉटन की खरीद न करें।

बढ़ेगा स्पिनर्स का लाभ

इसी बीच, क्रिसिल नामक एक रेटिंग एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि कॉटन स्पिनर्स का ऑपरेटिंग प्रोफिट आगामी वित्त वर्ष में डबल होने का अनुमान है। एजेंसी के अनुसार कॉटन यार्न के भाव में वृद्धि और अधिक निर्यात के कारण कॉटन स्पिनिंग मिलों का राजस्व 20-25 प्रतिशत बढ़ गया है। इसका कहना है कि गत वित्त वर्ष (2020-21)की पहली छःमाही में जिन कॉटन स्पिनिंग मिलों का आऊटलुक नेगेटिव था, वह अब इस वित्त वर्ष में पोजिटिव हो जाएगा क्योंकि उनके स्त्रोत बढ़े हैं, जबकि स्टॉक में कमी आई है। एजेंसी के अनुसार विश्व में निटेड गारमेंट और होम टेक्सटाइल की मांग में बढ़ोतरी हुई और स्वास्थ्य तथा स्वच्छता पर फोकस अधिक होने से देश कॉटन यार्न की निर्यात मांग में वृद्धि हुई है। गत वर्ष अप्रैल-दिसम्बर के बीच देश से चीन को कॉटन यार्न के निर्यात में 22 प्रतिशत, बांग्लादेश को 39 प्रतिशत और वियतनाम को 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यही नहीं, घरेलू बाजार में भी मांग में वृद्धि की संभावना है क्योंकि उपभोक्ता अधिक खर्च कर रहे हैं। एजेंसी की रिपोर्ट अनुसार जिस स्पिनिंग उद्योग को 2020-21 के दौरान राजस्व में 14-16 प्रतिशत की कमी आने की आशंका है, वहीं चालू वित्त वर्ष में भारी वृद्धि की संभावना है। इसके अलावा अधिक मांग के कारण विश्व बाजार में कॉटन की तुलना में इसके यार्न के भाव में कहीं अधिक वृद्धि हुई है और उम्मीद है कि यह ट्रेंड चालू वर्ष में भी जारी रह सकता है।

■ भाव वृद्धि से कपड़ा उद्योग प्रभावित ■ स्पिनिंग मिलों के लाभ में वृद्धि का अनुमान

अप्रैल में नहीं होगी भाव वृद्धि... प्राप्त सूचना के अनुसार टेक्सटाइल उद्योग के शीर्ष संगठन-कॉफैडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सिटी) ने स्पिनिंग मिलों से कहा है कि वे अप्रैल में कॉटन यार्न में भाव वृद्धि न करें। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों यार्न की सप्लाई की समस्या के समाधान के लिए नेशनल कमेटी ऑन टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग्स (एनसीटीसी) ने एक हेल्पलाईन पोर्टल आरंभ किया है। गत दिनों एनसीटीसी के कॉ-ऑर्डिनेटर और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाईल इंडस्ट्री (सिटी) के चेयरमैन श्री टी राजकुमार ने फैब्रिक निर्माताओं से यार्न की कमी और यार्न की अनियमित सप्लाई के बारे में अपनी डिटेल इस पोर्टल पर डालने के लिए भी कहा था।

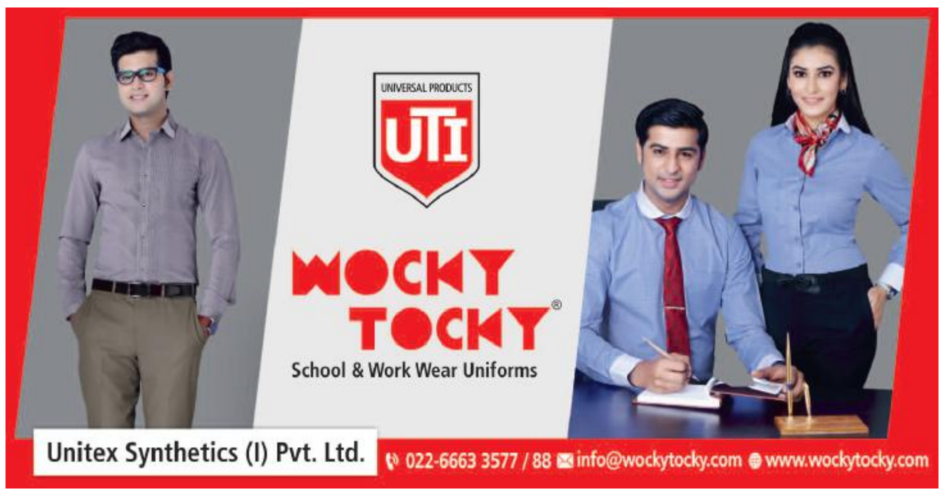

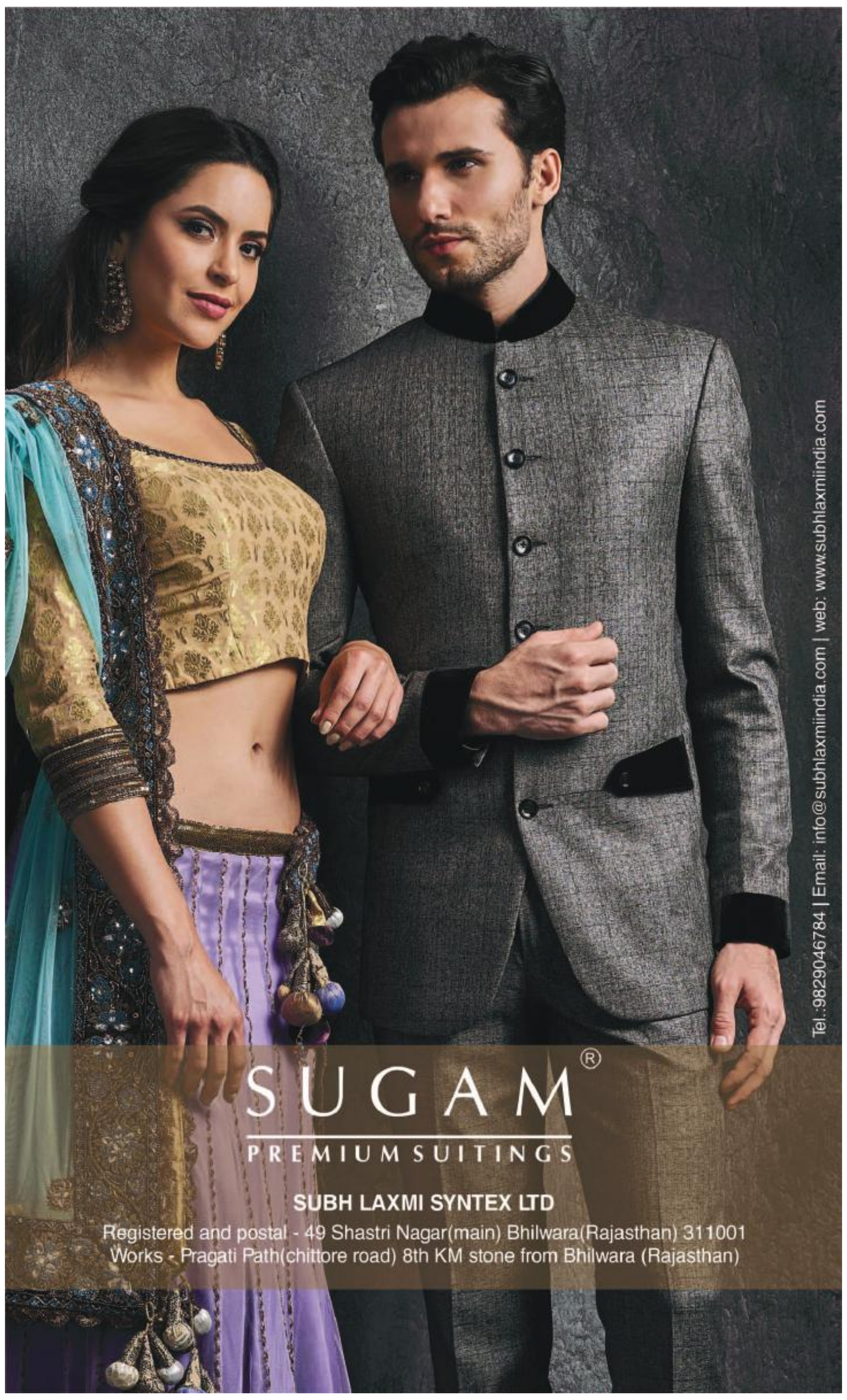

SOLAR SUITINGS
Manufacturer of
All type Uniform Fabrics & Fancy Suitings
SOLAR SYNTHETICS (P) LTD.
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
E-63, RIICO Extension Area, Pur Road, BHILWARA-311001
(O) 01482-260765 Mob. 94141-14645
fabric@solarsuiting.com www.solarsuiting.com

भीलवाड़ा के उद्यमियों को मध्यप्रदेश में निवेश का निमन्त्रण

मेवाड़ चेम्बर, टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन, लघु उद्योग भारती एवं सिंथेटिक एण्ड वीविंग एसोसिएशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश सरकार में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री ओम सखलेचा ने अपने राज्य में उद्यमियों को इण्डस्ट्री लगाने के लिये किया आमन्त्रित

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

स्थानीय वस्त्र मण्डी में पिछले माह की 21 तारीख को प्रसिद्ध होटल ग्लोरिया इन में एक समिट का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय शहर के कई उद्यमियों ने शिरकत की।

आयोजन के सूत्रधार **मेवाड़ चेम्बर, टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन, लघुउद्योग भारती एवं सिंथेटिक एण्ड वीविंग एसोसिएशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश सरकार में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री ओम सखलेचा ने अपने राज्य में उद्यमियों को इण्डस्ट्री लगाने के लिये आमन्त्रित किया**। इनके उद्योग सचिव श्री विवेक पोरवाल ने भी अपनी सरकार की सभी सुविधाओं के बारे में बताया। इस सन्दर्भ में मन्त्री श्री सखलेचा ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने दो प्रयोग किए हैं, जो जमीन और सब्सिडी से जुड़े हैं। ऐसी अविकसित जमीन को असिंचित कृषि भूमि की 30 प्रतिशत दर पर आंवटित कर रही है। मध्यप्रदेश में अनुदान को वाणिज्यिक करों से अलग करके सीधा कर दिया है। प्लाण्ट एवं मशीनरी में निवेश पर 40 प्रतिशत कर अनुदान 4 किश्तों में दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से आपने वाणिज्य कर में कितना भुगतान किया, उसके वेरिफिकेशन की समस्या समाप्त हो गई। उद्योग सचिव श्री विवेक पोरवाल ने बताया कि भौगोलिक रूप से मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने से यहां के किसी भी घरेलू बाजार एवं बंदरगाह तक माल में जाने में परिवहन खर्च लगभग 5 प्रतिशत कम है। एक और सुविधा इस सूबे में यह है कि वहां 17 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन हो रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश विद्युत सरप्लस स्टेट है एवं वर्तमान में खपत 11 हजार मेगावाट की है। यहां टेक्सटाइल उद्योग के लिये करीब 5 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली दी जा रही है। इसके अतिरिक्त उद्योग के लिए जहां जगह दी जाएगी, वहां पाइपलाइन से पानी की सप्लाई की जाएगी। इसका फायदा है कि भूजल का उपयोग करने की जरूरत नहीं होती है। राज्य में 900 मिलियन क्यूबिक मीटर जल औद्योगिक उपयोग के लिए आरक्षित किया हुआ है। उद्योगों के लिए डेडिकेटेड वाटर सप्लाई स्कीम है। यहां आईटी व अन्य क्षेत्र के प्रशिक्षित व्यक्ति बड़े शहरों के मुकाबले 30 प्रतिशत कम वेतन पर उपलब्ध हो जाते हैं। क्रिसिल रेटिंग एजेंसी के अनुसार यहां मेनपावर टेलेंट रिटेंशन देश में सबसे ज्यादा है। इससे ट्रेनिंग एवं मेनपावर कॉस्ट में बहुत कमी आती है। इंदौर से जे एनपीटी तक डेडिकेटेड माल परिवहन लाइन बनाने के लिए एमओयू साइन किया गया है।

भीलवाड़ा के कुछ उद्यमी मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित भी कर चुके हैं

श्री मोहम्मद साबिर व श्री दिनेश गग्गड़ जैसे कुछ उद्यमी भी इन्वेस्टर मीट में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि वे कम समय और बिना किसी परेशानी के उद्योग स्थापित कर चुके हैं। वहां सरकार की तरफ से कई तरह की रियायतें दी गई है। उद्योग स्थापित करने के लिए भी क्लीयरेंस बड़ी आसानी से मिले हैं। उद्योग सचिव श्री विवेक पोरवाल ने बताया कि केंद्र सरकार के अलावा मध्यप्रदेश स्तर पर कई तरह की सुविधाएं दी गई हैं। कुछ मांगें व्यापारियों की ओर से की गई है, जिनको लेकर भी चर्चा की जा रही है। इन्वेस्टर मीट में मेवाड़ चेबर के डॉ. आरसी लोढा, डॉ. पी एम बेसवाल, लघु उद्योग भारती के श्री महेश हुरकट, श्री अनूप बागड़ोदिया, सिन्थेटिक विविंग मिल्स एसोसिएशन के श्री साबिर मोहम्मद, श्री रमेश अग्रवाल एवं भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के श्री अतुल शर्मा, श्री प्रेम गर्ग मार्बल गेंगसा एसोसिएशन कांकरोली के श्री रवि शर्मा आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन श्री सुमित जागेटिया ने किया। स्थानीय **टेक्सटाइल इण्डस्ट्री में वर्टेक्स सुल्ज एवं होटल ग्लोरिया इन के डायरेक्टर श्री सुनील जागेटिया** ने इस सन्दर्भ में बताया कि मध्यप्रदेश सरकार राजस्थान के उद्यमियों को कई सुविधाएं देते हुए इण्डस्ट्री लगाने के लिये आमन्त्रित कर रही है ऐसे में वहां कई उद्यमी इण्डस्ट्री लगा भी यहां की इण्डस्ट्री लगा भी चुके है। ऐसे में अतः राजस्थान सरकार को भी यहां की इण्डस्ट्री के लिये सुविधाएं देनी चाहिए ताकि इण्डस्ट्री का पलायन होने से रोका जा सके और राजस्थान में ही अनुकूल दशाएं उपलब्ध कराते हुए उद्यमियों का मनोबल बनाना चाहिए।

A COMPLETE HOUSE OF PREMIUM DESIGNER UNIFORM FABRICS
Renlon®
Uniforms & Suitings
A Brand Owned By
VIKAS SYNTEX PRIVATE LIMITED
Regd. Office & Works: Plot No. E-58-59
RIICO Industrial Area (Ext.)
Pur Road, Bhilwara (Raj.) Ph.:01482-260248
Mob.: +91 94141-11519, +91 96499-04519
vikas_syntex@yahoo.co.in
www.vikassyntex.com

Swaraj®
School & Work Wear Fabrics
www.swarajsynthetics.com
SUITING & SHIRTING

बढ़ते कोरोना से व्यापारी चिंतित

नवीन कोठारी/ उदयपुर

करीब एक वर्ष तक कोरोना महामारी का विकराल और वीभत्स रूप देखने के बाद जब प्रतिदिन रोगियों कर संख्या घटकर 4 और 5 पर आ गई, तो शहवासियों ने राहत की सांस ली। वस्त्र व्यापारियों की दिनचर्या भी धीरे-धीरे पटरी पर आने लगी। मगर अचानक हुए करोना विस्फोट से व्यापारी फिर चिन्तित हो गए। कोरोना महामारी से व्यापार हानि और जनहानि बहुत झेलने के बाद पुनः कोरोना के बढ़ते आकड़ों से लोग सकते में हैं। इस दूसरे स्ट्रेन्थ के तो सिम्टम्स भी मालूम नहीं चल रहें हैं और लोग अचानक चपेट में आ रहे हैं, ये अब बहुत बड़ा चिंता का विषय है। आने वाले दिनों में वैवाहिक सीजन शुरू होने वाला है। वस्त्र व्यापारियों को इससे बहुत उम्मीद थी, कारण कि बाजार से कोरोना का खौफ खत्म होने के कगार पर था। व्यापारियों ने सीजन के मद्देनजर अपने प्रतिष्ठानों पर माल का स्टॉक भी कर रखा था। हालांकि आलोच्य पखवाड़े में सीजन की ग्राहकी अच्छी हुई, वस्त्र व्यापारी भी काफी खुश भी थे। सीजन की खरीदारी अभी भी चल रही है, किन्तु सभी के मन में कोरोना का खौफ है। शादियाँ भी बहुत हैं और खरीददारी भी होने के बावजूद वस्त्र व्यापारी और माल मंगवाने से कतरा रहे हैं। विशेषज्ञों की मानें तो कोरोना का खौफ भले ही, हो जो काम होने है वे हो ही रहे हैं। शादी-ब्याह भी होंगे और खरीददारी भी होगी। अतः वस्त्र व्यापारियों को कोरोना की गाइड लाईन का पालन करते हुए अपने व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए।

आगे अच्छा व्यापार चलने की आशा

मुजफ्फरनगर/ अजय सिंहल

20 अप्रैल से बहुत ही अच्छा जबरदस्त लगने साया शुभ मुहूर्त हैं। इस अनुसार आज तक बहुत ही अच्छा वस्त्र व्यवसाय चल जाना चाहिए था, व्यापारी पूर्ण आशान्वित था किंतु मुजफ्फरनगर सहारनपुर शामली मेरठ बिजनौर आदि पश्चिमी उत्तरप्रदेश की प्रमुख कपड़ा मण्डियों में भरपूर ग्राहकी बिक्री वाली बात अभी तक आई नहीं है। अभी तो नॉर्मल कामकाज कपड़े के सभी सेगमेंट पेंट-शर्ट लेडीज सूट साड़ी रेडीमेंट व हेंडलूम में लगातार जारी है। इधर इन्हीं दिनों गेहूं की फसल की कटाई होती है। अधिकतम बिक्री ग्रामीणवासियों कृषकों पर निर्भर है तथा कृषक इस समय फसल कटाई में व्यस्त हैं, दूसरी ओर लगातार पुनः बढ़ता हुआ कोरोना व्यापारी के मस्तक पर चिंता की लकीरें खींच रहा है।

तुलसी साड़ी और सूट के युवा जुझारू व्यापारी श्री अमित सिंहल व किशन खरबंदा के अनुसार व्यापार इस बार लगन साया मुहूर्त के अनुसार बहुत अच्छा चलना चाहिये।

21st Century TOPMAN®
PREMIUM SUITING
Link Between Aim & Ambition
TOPMAN FASHION PVT. LTD.
Mills : G-214-215, RIICO IVth Phase, Bhilwara (Raj.) Ph. 260232, 260233
Mob: 94141-13190, 80055-19434, E-mail : topmansuitings@gmail.com

बैंकों की विलय प्रक्रिया के कारण व्यापार प्रभावित

सतना / बलराम शुक्ला

सतना आने वाला सीजन सहालक का सीजन है जिस कारण से व्यापारी सूरत, अहमदाबाद, मुम्बई, भीलवाड़ा की भरपूर खरीदी कर वापस आने लगे हैं व माल भी उतरने चालू हो गये हैं। हलांकि अभी ग्राहकी अभी नहीं उठी है क्योंकि किसान फसल कटाई पर लगा है। जैसे ही फसल तैयार होगी और माल मंडी में जायेगा, बेचने के बाद जो पैसा हाथ में होगा उससे किसान अपने सालभर का बजट बनायेगा, जिसमें कपड़ा भी प्रमुख है, क्योंकि इस वर्ष फसल बहुत शानदार है। इससे अच्छे व्यापार होने के कयास लगाये जा रहे है, लेकिन बाजार मे बैंकों के विलय प्रक्रिया के कारण धन का संकट खड़ा हो गया है। एक तो बैकों की छुट्टियों के कारण स्टाफ का रोना है, जबकि अब बैंकों के पास पहले जैसा काम नहीं है। अब जबसे कम्पुटराइज हो गई है, तब से सिर्फ बैंको का काम सिर्फ नोट गिनना रह गया है। बाकी व्यापारी सब कुछ कर रहा है। मोबाइल बैंकिंग से काम आसान हो गया है लेकिन आज सभी कुछ बैंकों की बात करें तो आज भी उनका रवैया नहीं बदला है। तीन तीन दिन चेक क्लीयर नहीं हो रहे हैं, सर्वर डाउन की बात करते हैं, चेकबुक एन्ट्री कराना हो तो प्रिंटर खराब का बहाना करते हैं। अभी मेरे हिसाब से सरकारी बैंकों को और काम करने की जरूरत है। जैसी सेवाएं प्राइवेट बैंक वाले दे रहे हैं, कम वेतन में भी शानदार काम कर रहे हैं, लेकिन उपभोक्ता को आज भी सरकारी बैंकों पर विश्वास है, इसलिए इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

रेट बढ़ने से व्यापारी परेशान

बरेली/ राजीव अरोड़ा

बरेली के होलसेल कपड़ा व्यापारी वस्त्रों के बढ़े मूल्यों से हताश हैं। एक तो ग्राहकी पहले ही कमजोर है, दूसरे रेट बढ़ने से ग्राहकों का समर्थन नहीं मिल रहा है। देश के अन्य भागों में कोरोना फैलने के समाचारों से बरेली के व्यापारीयों में भय व्याप्त है। इस कारण भी व्यापार ठण्डा है और कुछ यह भी कि ज्यादातर ग्राहक फेरी लगाने वाले और बाजार लगाते हैं उनसे किसान खरीदी करते हैं, जो अभी फसल काटने में व्यस्त हैं। यह स्थिति लगभग 15-20 दिन रह सकती है। इसके बाद जून तक वैवाहिक सीजन रहेगा। एक अनुमान यह हैं कि यदि कोरोना नहीं फैला तो ग्राहकी की स्थिति बेहतर होगी। इसी प्रकार कोरोना के कारण शादी में मेहमानों की संख्या पर नियंत्रण होता है, तो उससे भी ग्राहकी प्रभावित होगी। यह सारी स्थितियां कुछ दिनों बाद ही साफ होगी। व्यापारी भी थोड़ी दहशत में है और व्यापार को उतने जोश से नहीं कर रहे, जितना कुछ समय पूर्व था। व्यापार में सुस्ती का एक कारण यह भी है।

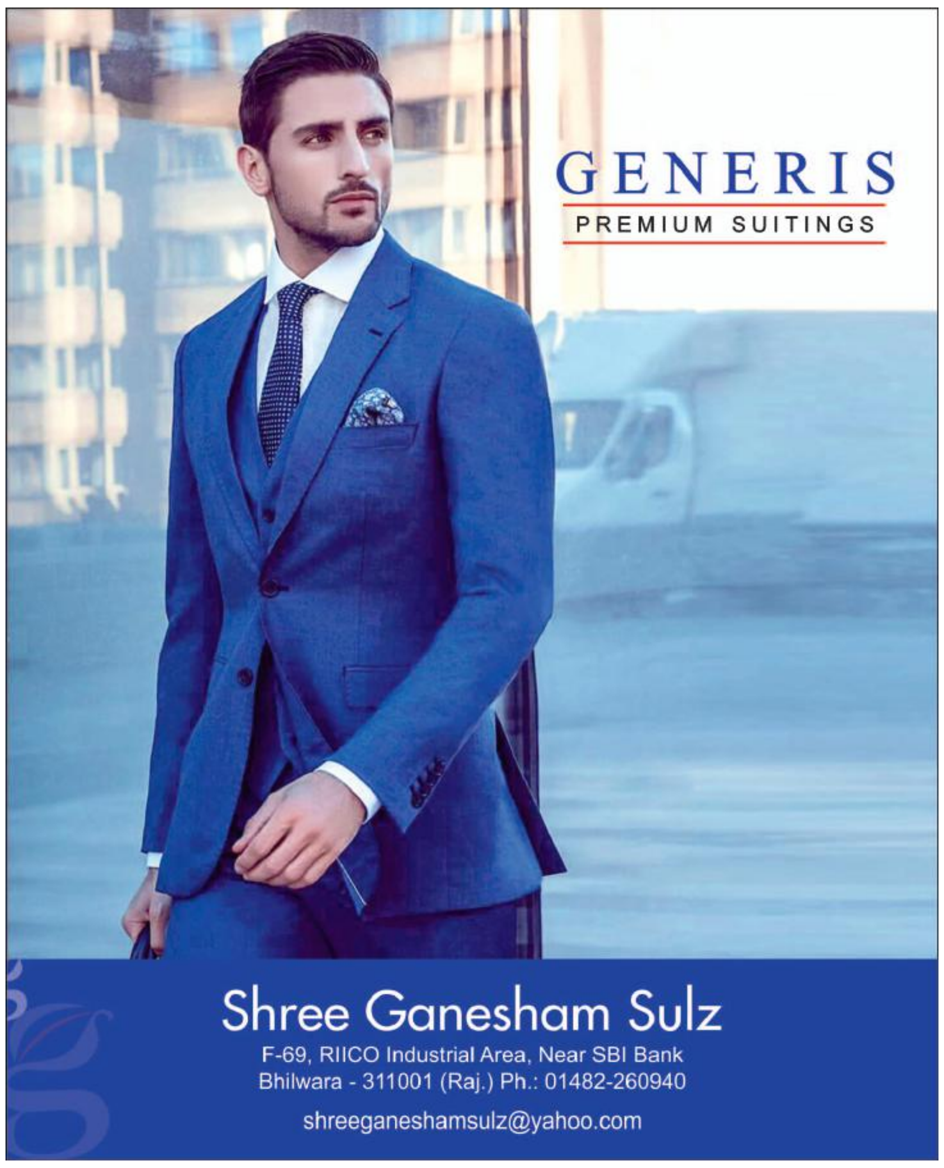

पेज 1 का शेषांश... लॉकडाउन की लटकती

इसके बाद कॉटन कपड़ों पर आधारित गारमेण्ट के भाव बढ़ गए है। इसका सीधा असर प्रोसेस हाउसों पर पड़ रहा है। प्रोसेस हाउसों की हालात खराब है। इनके पास ग्रे कपड़ों का अभाव है। कच्चे माल के भाव बढ़ने की झेल रहे पीड़ा और कम मार्जिन पर काम करने को मजबूर प्रोसेस हाउसों में अब ग्रे कपड़ों का भारी अभाव है। ऐसी स्थिति में बहुत दिनों तक काम चलाना कठिन होगा। कलर के भाव में 25 से 30 प्रतिशत और बॉयलर के लिए उपयोग में आता आयातित कोयले के भाव में तीव्र वृद्धि के बाद ग्रे कपड़ों के भाव असहनीय हो गए हैं। अहमदाबाद की ओर छोटे-बड़े करीब 700 से 800 प्रोसेस हाउस कार्यरत हैं। इन प्रोसेस हाउसों में स्थानीय बाजारों के अलावा भिवंडी जैसे प्रमुख केद्रों से ग्रे कपड़ा प्रोसेस के लिए जाता है।

टेक्सटाइल क्षेत्र में विकास की अच्छी संभावना है। वार्षिक विकास दर 7.6 प्रतिशत के साथ बाजार कद 2027 तक बढ़कर 23.3 अरब डालर रहने का अनुमान केपीएमजी-फिक्की ने व्यक्त किया है। टेक्निकल टेक्सटाइल के बारे में बढ़ रही जागृति, ऊंचे भाव व ग्राहकों के बदलते रूझान से कुछ सेक्टरों में विकास की अच्छी संभावना है। भारत में टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र की बुनियादी संरचना मूलतः बेसिक नानवोवन और कम कीमत की कमोडिटी उत्पादों पर जोर और निर्भरता रही है। अब उत्पादन बढ़ने से आयात पर निर्भरता घट रही है। अन्य औद्योगिक देश जैसे कि चीन, दक्षिण कोरिया, ताइवान हाईवैल्यू प्रॉडक्टों जैसे कि बुलेट प्रुफ आग प्रतिरोधक उत्पादों पर अधिक जोर देते हैं।

आगे की सीजनल मांग को देखते हुए चलनी आइटमों में थोड़ी मांग है। रमजान का महीना 13 अप्रेल से शुरू हो रहा है, इसमें सफेद कपड़ों की मांग रहती है। 23 अप्रेल से वैवाहिक सीजन की शुरूआत व्यापक स्तर पर होने जा रही है। इसमें सूटिंग, शर्टिंग, फैंसी मालों की ग्राहकी खुल जाती है। परंतु बढ़े भाव पर ब्लीच पोपलीन में ग्राहकी पर असर पड़ा है। शर्टिंग के ऊंचे भाव से रुकावट आ रही है।

सिर्फ ब्लाउज मटीरियल, साड़ी की मांग कुछ सुधरी है। रूबिया में स्टाक कम है, कारण कि कॉटन यार्न के ऊंचे भाव के कारण उत्पादन घटा है। धोती में पोजीशन टाइट है। कॉटन एवं पीसी दोनों के भाव बढ़ाकर बोले जा रहे हैं। केम्ब्रिक एवं मलमल इत्यादि वेराइटी के भाव भी बढ़े हैं।

मस्कती महाजन एवं न्यू क्लॉथ मार्केट ने दिए श्री राम मंदिर के लिए 11 लाख

अहमदाबाद/ मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन एवं न्यू क्लॉथ मार्केट सोसायटी, अहमदाबाद व्यावसायिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यक्रमों में लगातार अपनी भागीदारी निभाते रहे हैं। पिछले साल से कोरोना महामारी से झूझ रहे व्यापारी वर्ग एवं कर्मचारियों के लिए मेडिकल एवं आर्थिक सहायतार्थ कई नेक काम किये गए हैं। इसी क्रम में मस्कती महाजन एवं न्यू क्लॉथ मार्केट सोसाइटी ने मिलकर श्री राम मंदिर निर्माण निधि में 11 लाख रूपये का चेक समर्पित किया है। इस संदर्भ में श्री बाबूलाल सोनीगरा ने बताया कि अब तक कपड़ा मार्केट के व्यापारियों, मस्कती महाजन एवं न्यू क्लॉथ मार्केट सोसायटी की तरफ से अब तक 51 लाख रूपये श्री राम मंदिर निर्माण के लिए दिए जा चुके हैं। महाजन की तरफ से चेक संघ कार्यालय में भेंट किया गया। इस अवसर पर मस्कती महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत, सेक्रेटरी श्री नरेश शर्मा, फैबेक्सा कमेटी चैयरमेन श्री बाबूलाल सोनीगरा आदि उपस्थित थे।

न्यू क्लॉथ मार्केट परिसर में वैक्सिनेशन केंद्र की शुरूआत

अहमदाबाद/ टेक्सटाइल सिटी अहमदाबाद के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित व्यापारिक संगठन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन ने टेक्सटाइल व्यवसाय से जुड़े सभी व्यवसायियों एवं कर्मचारियों के लिए न्यू क्लॉथ मार्केट स्थित डिस्पेंसरी में कोरोना वेक्सीनेशन की शुरूआत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 अप्रेल 2021 से 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। महाजन के प्रेसिडेण्ट श्री गौरांग भगत ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सहयोग से वेक्सीनेशन की शुरूआत की है। प्रथम चरण में 1 से 15 अप्रेल तक 1 लाख व्यापारियों एवं कर्मचारियों के कोरोना का टीका निःशुल्क लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वेक्सीनेशन के शुभारम्भ अवसर पर महाजन के सचिव श्री नरेश कुमार शर्मा, फैबेक्सा फेयर कमेटी चेयरमेन श्री बाबूलाल सोनीगरा, कोषाध्यक्ष श्री कुमार जैन आदि उपस्थित थे।

बाजार में अच्छी ग्राहकी का माहौल

ब्यावर / अनिल डोसी

बाजार में अच्छी ग्राहकी से माहौल खुशनुमा है। दिसावर से माल भी बराबर आ रहा है। आगामी विवाह व रमजान के सीजन को देखते हुए अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है।

कोरोना का भय बढ़ता जा रहा है किंतु इस समय तो इसके बावजूद ग्राहकी अच्छी है। व्यापारी कोरोना को लेकर थोड़े आशंकित भी दिखते हैं। पेमेंट की आवक ठीक चल रही है।

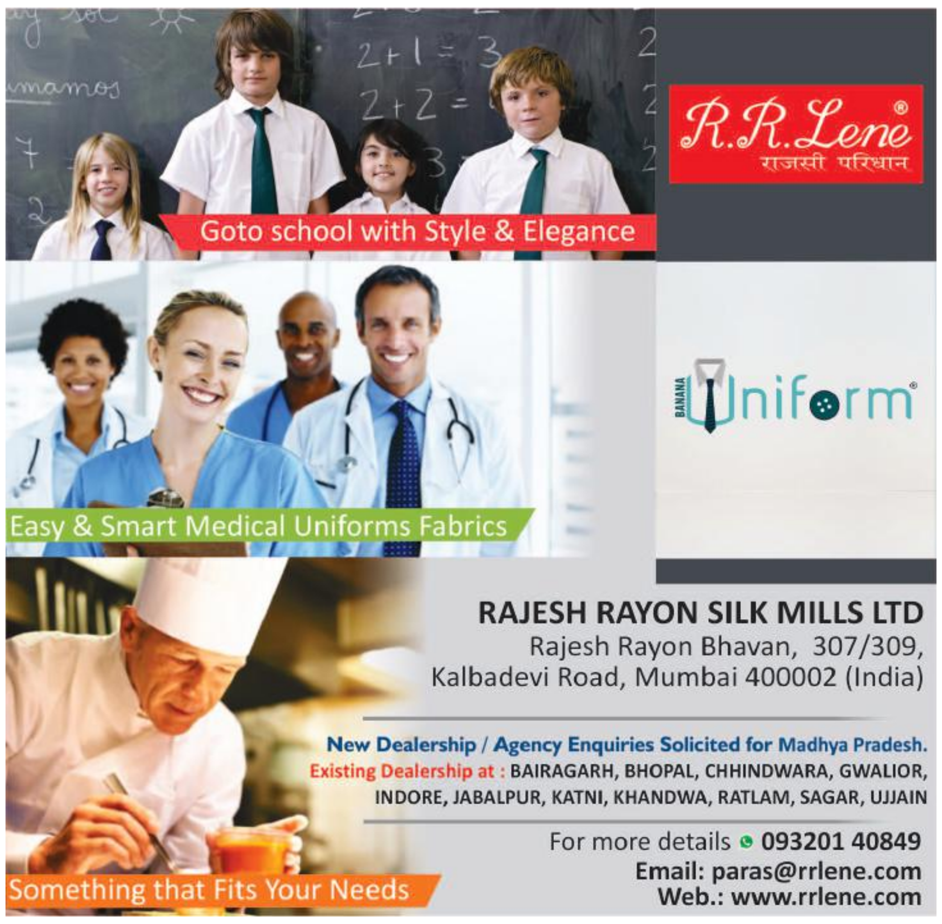

इचलकरंजी के डीकेटीई की छात्र अश्विनी कणेकर का गेट परीक्षा में सफलता के लिए सत्कार

इचलकरंजी डीकेटीई के टेक्सटाइल केमिस्ट्री की छात्रा अश्विनी कणेकर का गेट परीक्षा में ऑल इंडिया रेंक 1 क्रमांक से उत्तीर्ण होने के चलते उसका सत्कार करते संस्थाध्यक्ष श्री कल्लाप्पाण्णा आवाडे, विधायक श्री प्रकाश आण्णा आवाडे, मानद सचिव डॉ. सपना आवाडे, डायरेक्टर डॉ. पी. वहीं कडोले और गणमान्य।

कोल्हापुर/राहुल खाड़े

इचलकरंजी के डीकेटीई से बी.टेक. इन टेक्सटाइल केमिस्ट्री की छात्र अश्विनी कणेकर गेट परीक्षा में ऑल इंडिया रेंक 1 क्रमांका से उत्तीर्ण हुई। उसकी सफलता का गौरव करने के लिए डीकेटीई के दरबार हॉल में आयोजित सत्कार समारोह हुआ। अश्विनी की जिंदगी में यह एक सुवर्ण क्षण है। जिससे उसको केंद्र सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ एज्युकेशन की ओर से हर माह विद्यावेतन के साथ नामांकित कॉलेज में पदव्युत्तर शिक्षा लेना का मौका मिलेगा। साथ ही में डीकेटीई के 36 छात्रों ने भी सफलता हांसिल की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीकेटीई संस्था के अध्यक्ष श्री कल्लाप्पाण्णा आवाडे ने की। इन्स्टिट्यूट के डायरेक्टर प्रो. डॉ. पी. व्ही. कडोले ने स्वागत, प्रास्ताविक में संस्था के बारे में जानकारी दी। संस्था उपाध्यक्ष और विधायक श्री प्रकाश आण्णा आवाडे ने अश्विनी की सफलता का गौरव किया। उन्होने कहा कि, जीवन में सफल बनने के लिए सिर्फ ख्वाब देखना जरुरी नहीं है, बल्कि उसके लिए मेहनत भी करना जरुरी है। तब ही यश के महासागर तक पहुँच पाएंगे। अश्विनी ने घरवालों की अपेक्षा पूरी कर सभी के सामने आदर्श रखा है। संस्था अध्यक्ष श्री कल्लाप्पाण्णा आवाडे और मान्यवरों के हाथों अश्विनी का पुष्पगुच्छ और मानचिन्ह देकर सत्कार किया गया। साथ ही में उसकी माँ श्री वंदना कणेकर, पिता श्री सहदेव कणेकर, मामा श्री गणेश पोवार, मामी श्रीमती भारती पोवार और श्री एन. व्ही. जेरे का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। इस छात्र को प्रा. डॉ. वाय. एम. इंडि, प्रा. एस. के. लागा, प्रा. डॉ. एस. बी. व्हनबटटे, प्रा. ए. जे. ढवले, प्रा. मंदार कुलकर्णी, प्रा. सौ. एस. व्ही. चव्हाण व प्रशांत चौगुले का मार्गदर्शन मिला। साथ ही में करिअर गायडन्स सेल के प्रमुख प्रा. डॉ. जे. एम. पाटील, प्रा. आर. एल. गोटीपामूल और सभी प्राध्यापकों का मार्गदर्शन मिला।

डे. डायरेक्टर प्रा. डॉ. यु. जे. पाटील ने आभार माना। सूत्र संचालन प्रा. ए. ए. रायबागी ने किया। कार्यक्रम को मानद सचिव प्रा. डॉ. सौ. सपना आवाडे, संस्था ट्रस्टी सर्व श्री सर्जेराव पाटील, सुनील पाटील, प्रकाश मोरे, स्वानंद कुलकर्णी, डेप्युटी डायरेक्टर प्रा. डॉ. सौ. एल. एस. आडमुठे के साथ सभी विभागप्रमुख, प्राध्यापक और छात्र उपस्थित थे।

कोरोना का खौफ, बाजार ठण्डा

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

समय चक्र के प्रभाव में परिस्थितियों को परिवर्तित कर नए रूप में स्थापित किया है कोरोना ने फिर से दहशत का माहौल बनाया है, इससे अर्थ तंत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। ग्रे क्लॉथ की तेजी की रफ्तार का पहिया भी स्थिर स्थिति में आ गया है। इधर होली के त्यौहार के परिणाम स्वरूप श्रमिक वर्ग अपने घर ग्रामों को कूच कर रहे हैं। इसके साथ ही जल प्रदूषण निवारक और नियंत्रण बोर्ड ने कारखाने को निष्कासित प्रदूषित जल शोधन हेतु लेने पर रोक लगा दी है। प्रदूषण बोर्ड ने यह रोक 18 एम एच डी के प्लांट को तैयार होने तक लगाई है। ट्रस्ट सूत्रों का कहना है कि करीब 15 दिन में प्लांट का संचालन प्रारंभ हो जाएगा और उद्यमी अपनी कार्य प्रक्रिया को अंजाम दे सकेंगे। इस प्रकार लगभग कई दिनों का अवकाश उत्पादन के मार्ग में व्यवधान रूप में उपस्थित हुआ है। वैसे भी होली के त्यौहार के कई दिनों बाद तक श्रमिकों के न लोटने में उत्पादन अस्त-व्यस्त ही रहता है। अवकाश के इन दिनों में औद्योगिक क्षेत्र वीरानी के आगोश में चला जाता है। सड़कें सूनी व रंग-बिरंगे कपड़ों के थानों के वाहनों की आवाजाही कहीं दिखाई नहीं पड़ती। वित्त वर्ष की समाप्ति के कारण कारखानों में चंद लोगों की उपस्थिति के अलावा शांति का साम्राज्य बिछ जाता है। ग्राहकी शांत हो चली है, आगे अच्छी सीजन में चलने की संभावना से लोग संतुष्ट नजर आ रहे हैं। रकम की आवक बहुत कम होने से उद्यमियों के समक्ष कर परेशानियां आ रही हैं, पर उनका समाधान निकालने में उद्यमी माहिर हैं। दिशावरी व्यापारी भी वार्षिक खाता बंदी के कारण पहले अपने विशेष समायोजनों को करने के बाद भुगतान का स्थान देते हैं। कुछ भी हो, मायूसी का अवसाद निरंतर हटता जा रहा है। उद्यमियों को हाल ही आई आंधी और तूफान ने माल को क्षतिग्रस्त कर पीड़ा पहुंचाई है। माल खराब होने पर उसे पुनः व्यवस्थित करने में समय, श्रम और खर्च भी बढ़ जाता है। स्थानीय उद्यमी क्वालिटी को तरजीह देने से उनको विशेष चौकसी बरतनी पड़ती है। कई उद्यमी तो इतने जागरूक हैं कि उन्हें लगता है कि यह माल स्तरीय नहीं बन पाया है तो उसे लोट में ही बेच कर सब्र करने को बाध्य होना पड़ता है। कुछ भी हो, गुणवत्ता की सुगंध के कायल उद्यमी सदा क्वालिटी में सुधार हेतु तत्पर रहते हैं। नाइटी क्लॉथ की मांग निश्चित रूप से शिथिल पड़ गई है। पॉपलिन के क्रेज में भी गति धीमी हो चली है। रेयॉन का काम जो हॉट केक की तरह था, वो भी ठंडा पड़ गया है। उम्मीद को ध्यान में रखकर उत्पादक माल पैक कर रहे हैं, जिससे ग्राहकी निकलने पर तुरंत चालानी को अंजाम दे सकें। पेटीकोट का काम चरम पर है और इससे विस्तार की संभावनायें बराबर प्रबल हो रही है। नये नये रूपों में डिजाइनों में पेटीकोट बनने से इसका आकर्षण बढ़ रहा है। कुर्ती की मांग तो है, पर उत्पादन बहुत कम आ पा रहा है। इन दिनों सिली नाइटी व अन्य प्रकार के गारमेंट निर्माण का कार्य बढ़ रहा है। प्रशिक्षित मजदूरों के आने से काम संतोषजनक ढंग से गति पकड़ता नजर आ रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में जमीनों के भाव आसमान छूने के बाद भी लेवालियों में होड़ सी मची हुई है। बालोतरा लघु उद्योग मंडल में चुनावी प्रक्रिया चल रही है और सीईटीपी ने अपने चुनाव की घोषणा जून में कराने की की है।

ब्राण्डेड सूटिंग व शर्टिंग की उम्दा क्वालिटियों में फैब्रिक आपूर्ति की शीर्ष कम्पनी चौपड़ा लॉट हाउस

कानपुर/ कपड़ा बाजार में विगत 43 वर्षों से सफलतापूर्वक कार्य करते हुए चौपड़ा परिवार ने इस क्षेत्र में बेहतर पहचान बनाई है। विदित है कि कार्य की शुरूआत धर्मवीर ग्रुप ऑफ कम्पनी नाम से की गई थी एवं उल्लेखनीय प्रगति करते हुए आज फैब्रिक निर्माण क्षेत्र में भी उम्दा पहचान बनाई है। कानपुर होलसेल कपड़ा व्यापार में प्रतिष्ठित घरों में शुमार चोपड़ा लोट हाउस द्वारा कई ब्राण्डेड मिलों का माल सप्लाई किया जा रहा है। प्रबन्ध कार्य में श्री संजीव चोपड़ा एवं इनके पुत्र श्री सत्येन चोपड़ा अपने कुशल नेतृत्व में कपड़ा आपूर्ति में अग्रणी भूमिका में निभा रहे हैं। श्री सत्येन चोपड़ा ने बताया कि धर्मवीर ग्रुप में चोपड़ा लॉट हाउस ने होलसेल, रिटेलिंग एवं निर्यात क्षेत्र में अपनी अच्छी पकड़ बनाई है।

कोरोना में बाजार पर पड़े असर के बारे में श्री चौपड़ा ने बताया कि हमने हमारे परिवार एवं पूरी टीम के लिये पूरे प्रिकोशन किए एवं जब बाजार खुले तो हमारी कम्पनी द्वारा डबल इंजन लगाते हुए व्यापार को पुनः संतुलित किया और इनपुट्स कम करके सेलिंग पर ध्यान दिया, साथ ही स्टॉक को काफी हद तक कम करने का प्रयास किया यानि ऑउटगोइंग स्पीड बढ़ाते हुए कार्य किया। उस समय से बाजार में रिटेलर्स की स्थिति काफी खराब थी, तब भी हमारे रिटेलर्स को हमने बकाया होने के बावजूद माल दिया और अच्छे रिटेलर्स ने भी हमें सहयोग किया, जिससे संतुलन बना रहा। आगामी लगन में बेहतर कार्य होगा एवं अब कोरोना के साथ चलने का ध्यान रखते हुए व्यापार भी करना पड़ेगा। समय निरन्तर परिवर्तनशील है, ये समय भी गुजर जायेगा और मानव जीवन पुनः सामान्य स्थिति की और लौटेगा।

कपड़ा उत्पादन...

इस क्षेत्र में इनकी स्वयं की कम्पनी है जो धर्मवीर सूटिंग एवं शर्टिंग्स नाम से फैब्रिक का उत्पादन कर रही है, जिसमें बाजार की डिमाण्ड के अनुरूप क्वालिटी सूटिंग का निर्माण कर रहे हैं। होलसेल व्यापार में कार्य विस्तार के तहत साड़ी सप्लाई क्षेत्र में भी इन्होंने बेहतर सफलता प्राप्त की है, जिसमें सूरत निर्मित कई ब्राण्ड्स एवं कोलकाता की हेण्डवर्क की बड़ी रेंज सप्लाई की जा रही है। कम्पनी द्वारा यूनिफॉर्म सेगमेण्ट में स्कूल, कॉरपोरेट, इंस्टीट्यूट, इण्डस्ट्री एवं अन्य क्षेत्र के लिये विभिन्न कलर रेंज में सप्लाई की जा रही है। कम्पनी होलसेल कारोबार कानपुर एवं सराउण्डिंग क्षेत्र में मजबूत नेटवर्क के आधार पर अपने बॉयर्स को माल सप्लाई करती है एवं कपड़ा उत्पादन में शामिल रेंजों को देश की कई वस्त्र मण्डियों में एजेण्ट एवं डीलर बेस पर आपूर्ति कर रही है।

उत्तर भारत की शीर्ष होलसेल फर्मों में शुमार गोवर्धन साड़ी

जहां देश की हर कपड़ा उत्पादक मण्डी का कपड़ा बिकता है

कानपुर/ कानपुर कपड़ा मण्डी में होलसेल फैब्रिक आपूर्ति में दिग्गज घरानों में प्रतिष्ठित फर्म गोवर्धन साड़ी देश के सभी मेन्यूफेक्चरर्स की सूचि में शामिल है, जहां देशभर का कपड़ा बिकता है। व्यापार की शुरूआत स्व. श्री रतनचन्द खत्री द्वारा की गई थी। तब से निरन्तर परिवार के सदस्यों द्वारा अपने कार्यकौशल एवं अनुभव से इस पेढ़ी को बेहतर मुकाम पर पहुँचाया। व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका स्व. श्री अर्जुनदास खत्री (अज्जुभाई) ने सभी परिवार के सदस्यों के साथ एक टीम वर्क से व बेहतर प्रबन्ध व्यवस्था से गोवर्धन साड़ी को कपड़ा व्यवसाय में ऊपरी श्रेणी में स्थापित किया। श्री अर्जुनदास ने अपने व्यक्तित्व एवं कार्य में अपनी महारत से व्यापारियों में बेहतर सम्बन्ध स्थापित किए एवं शानदार नेटवर्क स्थापित किया।

होलसेल फैब्रिक आपूर्ति- व्यापार में देश की कई वस्त्र उत्पाद मण्डियों का माल अपने व्यापारियों को सप्लाई करते हैं जिसमें सूटिंग-शर्टिंग, साड़ी, कॉटन क्लॉथ, सूट, तोलिया, बेड एण्ड बाथ लुंगी, चद्दर मार्किन इत्यादि भी उम्दा क्वालिटियों के उत्पाद शामिल हैं।

रिटेल कारोबार- इस सेक्टर में इन्होंने उत्तरप्रदेश राज्य में कई शहरों में अपने रिटेल आउटलेट स्थापित किए, जो श्रंखलाबद्ध रूप से 13 काउण्टर अलग-अलग बड़े शहरों में स्थापित हैं, जो सूबे के सबसे बड़ा प्रतिष्ठान राजरतन नाम से विख्यात है।

रेडीमेड गारमेण्ट- ये गारमेण्ट सेक्टर में ब्राण्डेड कम्पनियों के उत्पाद ही सेल करते हैं जिसमें मेन्सवीयर, वूमन्स एवं किड्स में विभिन्न क्वालिटी रेंजों में उत्पभोक्ता की पसंद के अनुसार उत्पाद शामिल हैं।

प्रबन्ध व्यवस्था- कारोबार में स्व. श्री अर्जुनदास खत्री के भ्राता श्री हीराभाई, श्री प्रहलाद एवं पुत्र श्री प्रशांत खत्री के कुशल नेतृत्व से व्यापार निरन्तर सफलता के पथ पर अग्रसर हैं। रिटेल क्षेत्र में श्री राजकुमार खत्री बेहतर प्रबन्ध व्यवस्था से कार्य देख रहे हैं। कोरोना से व्यापार पर पड़े असर के बारे में श्री प्रशान्त खत्री ने बताया कि व्यापार अब सामान्य होने लगा है। कोरोना काल में पेमेण्ट की समस्या उत्पन्न हुई, कई व्यापारियों का पेमेण्ट लेट भी हुआ, जिसमें व्यापार की साइकिल असंतुलित हुई। अब आगामी सीजन बेहतर रहेगा, क्योंकि लगन एवं ईद साथ होने से डिमाण्ड निकलेगी। श्री खत्री ने बताया कि अब मानव समुदाय को कोरोना के साथ-साथ चलते हुए कार्य करना होगा।

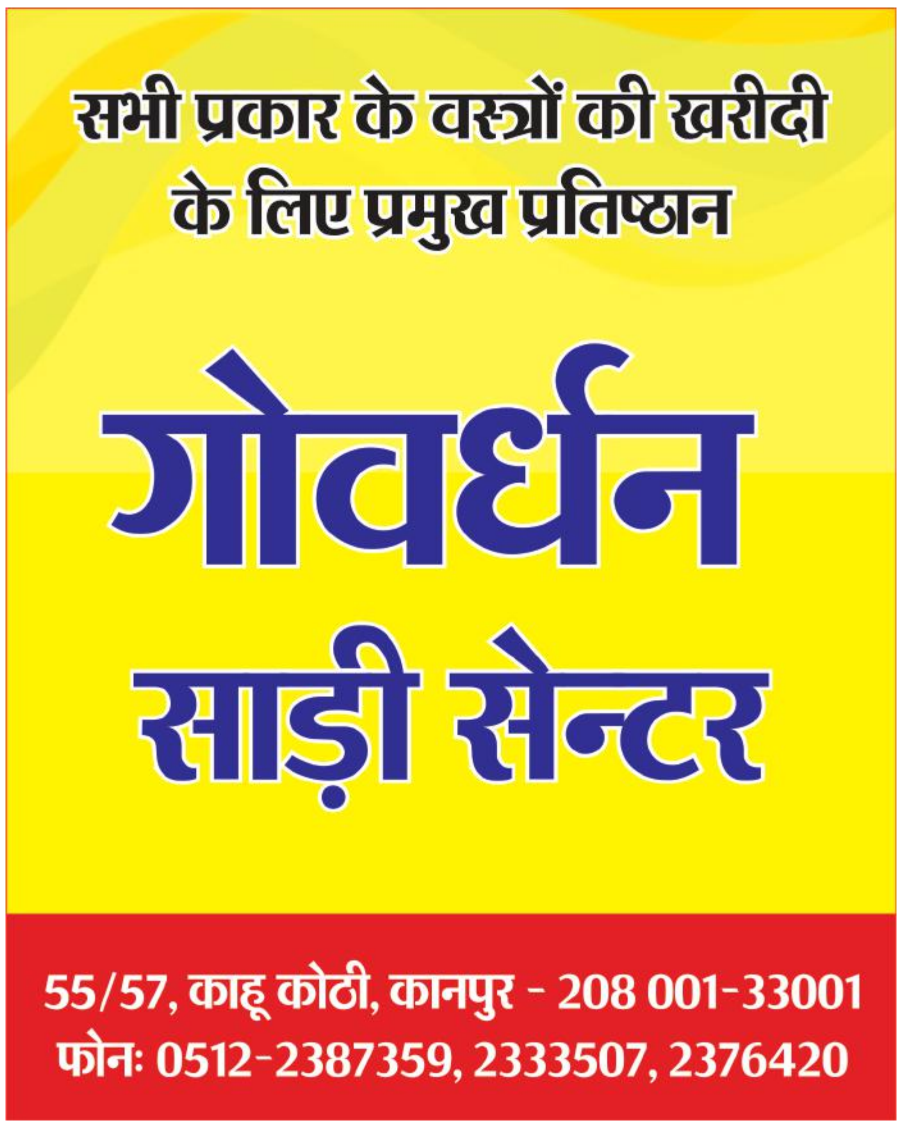

भीलवाड़ा, अहमदाबाद एवं इचलकरंजी निर्मित फैब्रिक आपूर्ति में बेहतर सेवाप्रदाता आनन्देश्वर टेक्सटाइल एजेन्सी

कानपुर/ वस्त्र मण्डी में प्रतिष्ठित टेक्सटाइल एजेन्सियों में शामिल आनन्देश्वर टेक्सटाइल एजेन्सी ने अपने सिस्टम एवं पारदर्शी व्यापार के साथ इस क्षेत्र में शुभारम्भ सन् 1998 में श्री योगेश चन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया था। एजेन्सी कार्य में प्रमुख सहयोगियों में श्री अजय कुमार गुप्ता व श्री अनुभव गुप्ता के संयुक्त कुशल प्रबन्धन से फर्म का कारोबार सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। श्री योगेश गुप्ता ने शुरूआती दौर में ही मुम्बई एवं भीलवाड़ा की कई प्रसिद्ध कम्पनियों से जुड़ते हुए व्यापार में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की और अब कार्य विस्तार करते हुए कॉटन फैब्रिक आपूर्ति में अहमदाबाद की सूटिंग-शर्टिंग के साथ साथ इचलकंरजी निर्मित फैब्रिक सप्लाई में भी कार्य किया जा रहा है।

इनके एजेन्सी कार्य में सूटिंग-शर्टिंग का निम्न कम्पनियों का कार्य किया जा रहा है...

1. **अहमदाबाद कॉटन सूटिंग-** धर्मा जी, महादेव, सिद्धचक्र, टी एस टेक्सटाइल, श्री नाथ सिन्थेटिक्स
   शर्टिंग- अम्बिका, भाव्या फैब्रिक, रूप टेक्सटाइल, सोनु प्रिण्ट, अंजनीलाल और कावेरी
2. **इचलकरंजी-** टीआर ग्रुप, सुनील यार्न, उपकार टेक्सटाइल
3. **भीलवाड़ा-** मयूर फैब्रिक्स, कुबेर, अवॉर्ड, चेयरमेन, साधना सूटिंग एवं रंजन सूटिंग
   रेडीमेड गारमेण्ट- बढ़ते रेडीमेड परिधानों के क्रेज के मद्देनजर एजेन्सी कई कम्पनियों के क्वालिटी **ट्राउजर किड्स वीयर, शर्ट में फॉर्मल** - केजुअल एवं जीन्स की सप्लाई प्रमुख है। कार्य में मिली सफलता एवं कार्य विस्तार के कारण सहयोगी फर्मों के अन्तर्गत श्री महादेव एजेन्सी, शुभम टेक्सटाइल एजेन्सी एवं यश टेक्सटाइल एजेन्सी स्थापित कर इनमें कार्य विभाजित किया गया।

एजेन्सी कार्य की सुगमता के लिये कानपुर के अलावा भीलवाड़ा, अहमदाबाद शहरों में ब्रांच ऑफिस स्थापित हैं, इससे वहां के निर्मित उत्पादों की आसानी से मार्केटिंग की जा रही है। श्री गुप्ता ने बताया कि बाजार रेडीमेड एवं कॉटन की ओर ग्रोथ कर रहा है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र में काफी विपुल संभावनाएँ हैं। हमारा कारोबार कानपुर वस्त्र मण्डी एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में बेहतर नेटवर्क के साथ अच्छे व्यापारियों के साथ हो रहा है।

सूटिंग-शर्टिंग एवं साड़ीज के क्वालिटी ब्राण्ड्स के साथ कार्य करने वाली एजेन्सी हाण्डा एण्टरप्राइजेज

कानपुर/ स्थानीय कपड़ा बाजार में जानी मानी शख्सियत श्री आर.सी. हाण्डा रिटायरमेण्ट की उम्र में भी कपड़ा व्यवसाय में एक ऊर्जावान व्यक्ति के रूप में कार्य कर रहे हैं। सदैव हंसमुख स्वभाव से मण्डी एवं मेन्यूफेक्चररों से मधुर सम्बंध के चलते आज भी वे कर्मशील हैं। कारोबार में इनके सुपुत्र श्री आलोक हाण्डा भी एजेन्सी कार्य देख रहे हैं, जो साड़ी सेगमेन्ट पर कार्य कर रहे हैं। हाण्डा एण्टरप्राइजेज की शुरूआत श्री आर. सी. हाण्डा द्वारा 1962 में ही कर दी गयी थी। तब से इसने इस क्षेत्र में उम्दा नाम स्थापित किया है। श्री हाण्डा ने अपने कारोबार की जानकारी देते हुए बताया कि सूटिंग-शर्टिंग क्षेत्र में डोनियर, डी एण्ड जे, इटालियन चैनल, टूवैल्यू एवं अन्य का कार्य कर रहे हैं। शर्टिंग फैब्रिक में अशवीरा आदि शामिल हैं।

साड़ी क्षेत्र में श्री आलोक हाण्डा बेहतर पकड़ बना चुके हैं। इनके इस क्षेत्र में अच्छी सेवाऐं देने से अनेक व्यापारी एवं साड़ी निर्माता इनसे जुड़ गये हैं। साड़ी सेक्टर में विभिन्न ब्राण्ड्स की रेंजें शामिल करते हुए उपभोक्ता की पसंद के लिहाज से तथा क्षेत्रीय चलन के अनुसार माल सप्लाई कर रहे हैं। श्री हाण्डा ने कोरोना काल के बाद वर्तमान बाजार की स्थिति के बारे में कहा कि अप्रेल महिने से सीजन चलने की उम्मीद है, परंतु मिलें एवं व्यापारी दोनों आंशकित हैं। सभी कोरोना के बढ़ते केसेज से डरे हुए भी हैं और इसके चलते कॉटन सेक्टर में मिलों के पास पर्याप्त माल उपलब्ध नहीं है, क्योंकि मिले संतुलित रूप से ही उत्पादन कर रही है।

इधर कोरोना काल में कई सेल्समेन की नौकरियां चली गई एवं पुनः शुरू हुई तो उनको भी वेतन कटोती का सामना करना पड़ रहा है, इसके चलते उनका भी मनोबल गिरा हुआ है। अब आगे कोरोना से बचाव करते हुए ''जान है तो जहान है'' के अनुसार ही कार्य करना होगा।

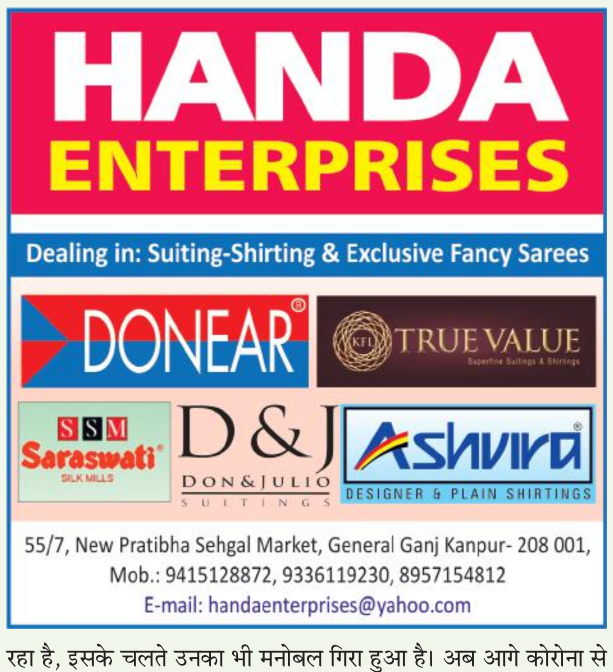

टेक्सटाइल एजेन्सी क्षेत्र में 100 वर्षों से अधिक समय से निरन्तर कार्यपथ पर कपूर एण्ड ब्रदर्स

कानपुर/ कपड़ा व्यापार में एजेन्सी कार्य का शतक पूरा करते हुए कपूर परिवार द्वारा पुश्तैनी कार्य को पुरखों की इस पेढ़ी की गरिमा अपनी कार्य कुशलता से आज भी कायम रखते हुए स्वच्छ एवं सफलता पूर्वक कार्य कर रहे हैं।

कार्य की शुरूआत स्व. श्री मन्नलाल कपूर द्वारा पुतन लाल दलाल नामक फर्म में आढ़त कार्य से की गई थी। व्यापार के कार्य में शामिल होते हुए इनके पुत्र श्री स्व. श्री केशवनाथ कपूर द्वारा 1955 में मफतलाल की एजेन्सी लेते हुए कार्य विस्तार किया और गौरतलब है कि आज तक मफतलाल का कार्य पांचवी पीढ़ी द्वारा भी यथावत् किया जा रहा है। वर्तमान में इनके पुत्रों में श्री राकेश कपूर एवं श्री आशु कपुर में कुशल नेतृत्व से सफलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। श्री राकेश कपूर ने अपनी कार्यशैली से काफी नए डवलपमेण्ट किए हैं, जिनमें शत प्रतिशत कॉटन में विभिन्न कलर रेंज शामिल हैं। प्रमुख उत्पादों में प्रिण्ट, कॉटन यार्न डाईड एवं न्यू रेंजें शामिल हैं। एजेंसी कार्य में और भी कई यूनिटों का कार्य किया जा रहा है, जिनमें क्वालिटी ब्राण्ड सूटिंग-शर्टिंग, कोम्बो एवं ड्रेस मटेरियल इत्यादि के उत्पाद शामिल हैं। श्री कपूर ने बताया कि कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपने आगोश में लिया एवं अब एक वर्ष गुजर चुका है, अतः हम सबको सावधानी रखते हुए कोरोना के साथ ही कार्य करना होगा। जो डर गया वो ठहर गया। ऐसे में व्यापार तो संघर्ष करते हुए करना ही होगा। वर्तमान सरकार द्वारा काफी सराहनीय प्रबन्ध किये गये, जिससे आमजन को राहत मिली। अब धीरे-धीरे टीके भी लग रहे हैं। सभी अपना ध्यान रखें एवं अफवाहों पर न जाएं। इन्होंने लॉकडाउन के बाद के हालात बताते हुए कहा कि व्यापार में लालचेक्स की सप्लाई से हमें भी काफी राहत मिली, जिसके सहारे व्यापार पुनजीर्वित उस समय हुआ और हमें सम्बल मिला। कोरोना से काफी सीखने को मिला। अब समय आ गया है कि कपड़ा किसको देना, कब देना यह निर्णय करके ही तय करना होगा, अन्यथा व्यापारी पिट जायेगा। इन्होंने कोरोना काल की तुलना इंदिरा गांधी के समय हुई घटनाओं से समानता करते हुए कहा कि तब भी व्यापार काफी प्रभावित हुआ था। अब साप्ताहिक निर्णय की जगह डेली प्लानिंग करनी होगी।

अमृतसर वूलन एजेंसी

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में सन् 1940 से गतिमान प्रतिष्ठित फर्म अमृतसर वूलन एजेन्सी होलसेल फैब्रिक आपूर्ति में अग्रणी रूप से जानी जाती है। व्यापार का शुभारम्भ स्व. श्री जोगेन्द्र सिंह पाल अरोड़ा द्वारा सूटिंग-शर्टिंग आपूर्ति के लिए किया गया था, जिसमें निरन्तर डवलपमेण्ट करते हुए बेहतर मुकाम हासिल किया। वर्तमान में कई वर्षों के अपने अनुभव एवं कार्यकुशलता से व्यापार देख रहे इनके पुत्र श्री संजय अरोड़ा ने कारोबार को नई ऊंचाईयाँ प्रदान की है।

व्यापार में सहयोगी इनके युवा पुत्र श्री चिराग अरोड़ा अध्ययन कार्य के साथ अपने पुश्तेनी कार्य में भी कार्यभार देख रहे हैं। श्री चिराग इस फर्म की दूसरी शाखा खलासी लाइन स्थित विशाल कोर्पोरेट ऑफिस में फैब्रिक व रेडीमेड के सभी शीर्ष ब्राण्ड की होलसेल व रिटेल सेल कर रहे हैं। इनकी फर्म आज उच्च ब्राण्ड्स भी कम रेट में बिक्री के लिये उपभोक्ता की पहली पसंद बन चुकी है। इन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में उपभोक्ता को गाड़ी पार्किंग एवं ट्राफिक सुविधा की बेहतर व्यवस्था होने से नगरवासियों का इस समस्या की सामना नहीं करना पड़ता है, इसी बात को ध्यान में रखकर 20,000 स्क्वायर फिट में विशाल इमारत का निर्माण करवाया गया। अमृतसर वूलन कई वर्षों से फैब्रिक के टॉप ब्राण्ड की सप्लाई कर रहा है जिसमें सूटिंग-शर्टिंग, मिंक ब्लेंकेट एवं ब्लेजर की उम्दा क्वालिटियां शामिल हैं।

स्वयं का ब्राण्ड ए डब्ल्यू ए- अपने बेहतर अनुभव एवं सेल्स नेटवर्क के चलते इन्होंने स्वयं का ब्राण्ड ए डब्ल्यू ए स्थापित किया जिसमें यूनिफॉर्म फैब्रिक में विशेषकर पुलिस एवं स्कूल सप्लाई के लिये फैब्रिक निर्माण कर आपूर्ति कर रहे हैं। ए डब्ल्यू ए ब्राण्डेड क्वालिटी यार्न एवं फील फिनिश के चलते आज इस क्षेत्र में अपनी बेहतर जगह बनाने में कामयाब हो चुका है और पुलिस विभाग में पहली पसंद बन चुका है। इनकी उ.प्र. के सभी शहरों में बेहतर मार्केटिंग है।

देश की कई कपड़ा उत्पादक कम्पनियों से जुड़ते हुए पूर्ण की 37 वर्षों की सफल यात्रा बाहेती टेक्सटाइल एजेन्सी

कानपुर/ स्थानीय मण्डी में बाहेती टेक्सटाइल अपने व्यापार के सफलतापूर्वक 37 वर्ष पूर्ण करते हुए देश के कई प्रतिष्ठित घरों का कार्य कर रही है। एजेन्सी के संस्थापक श्री अनिल माहेश्वरी काफी वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य करते हुए बेहतर अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। व्यापार में बेहतर अनुभव एवं अपनी कार्यकुशलता से कार्य का विस्तार करते हुए 2003 में भूतड़ा टेक्सटाइल एजेन्सी नाम से सहयोगी फर्म की शुरूआत की। इससे वर्तमान में सूटिंग-शर्टिंग के विभिन्न सेगमेण्ट में माल सप्लाई का कार्य कर रहे हैं, इसमें भीलवाड़ा, मुम्बई, इचलकरंजी निर्मित फैब्रिक शामिल हैं। इस क्षेत्र में भीलवाड़ा मण्डी में संगम इण्डिया, आनन्द सूटिंग, ब्राइट स्टार, एस आर एस, विमल सिन्टेक्स, मोहित सनमेक्स, गौरव (वेलवीव) आदि व मुम्बई में लक्ष्मी, बोम्बे रेयॉन, अरविन्द मिल (अहमदाबाद) एवं नाहर मिल, (लुधियाना) का कार्य किया जा रहा है। ये बढ़ते रेडीमेड सेक्टर के बाजार के तहत गारमेण्ट फैब्रिक में भी कई कम्पनियों के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं। स्टिच गारमेण्ट के क्षेत्र में उल्लासनगर, मुम्बई, अहमदाबाद एवं दिल्ली (गांधीनगर) निर्मित उत्पादों की सम्पूर्ण रेंजें सप्लाई करने में अपनी बेहतर पकड़ बना चुके हैं।

टेक्सटाइल वर्ल्ड समाचार पत्र प्राप्त करने एवं विज्ञापन देने के लिये सम्पर्क करें।
कानपुर- 6306055425
भीलवाड़ा- फोन न. 01482-237165, मो. 8003596090

कपड़ा व्यापार में 75 वर्ष पूर्ण करते हुए कन्हैयालाल हनुमान प्रसाद ने बनाई अपनी विशेष पहचान

कानपुर/ स्थानीय कपड़ा मण्डी में लम्बे समय से व्यापार करते हुए प्रतिष्ठित फर्म कन्हैयालाल हनुमान प्रसाद ने अपनी बेहतर पहचान बनाई है। कारोबार में प्रमुख श्री अनिल तोषनीवाल ने बताया कि हमारे दादाजी स्व. श्री कन्हैयालाल तोषनीवाल ने रिटेल कपड़ा व्यावसाय से शुरूआत की थी एवं उसके पश्चात् श्री हनुमानप्रसाद एवं सूर प्रकाश ने सयुंक्त रूप से अपने कार्यकौशल एवं मेहनत से व्यापार को आगे बढ़ाते हुए 1960 के लगभग होलसेल कारोबार शुरू किया, जिसको अच्छी सफलता मिली। वर्तमान में इनके पुत्र श्री अनिल तोषनीवाल एवं पौत्र श्री प्रतीक तोषनीवाल अपने पुश्तेनी कारोबार का बेहतर संचालन कर रहे हैं। श्री अनिल तोषनीवाल ने बताया कि हमारी फर्म के अन्तर्गत सूटिंग-शर्टिंग, रूबिया, टू बाई टू, पोपलीन अस्तर, साड़ी फाल, कुर्ते की फैब्रिक एवं लेडिज ड्रेस मटेरियल की विभिन्न रेंजों की सप्लाई की जा रही है। सूटिंग-शर्टिंग में अरविन्द, बिड़ला सेन्चुरी, आशिमा आइकोन अरविन्द, मिल के रूबिया उत्पाद, पोपलीन अरविन्द एवं उम्मेद मिलों के साथ-साथ 44 पोपलीन के अधिकृत डीलर एवं एजेन्सी के तहत माल सप्लाई कर रहे हैं। 44 की पोपलीन, अस्तर एवं साड़ी फॉल की उम्दा क्वालिटियाँ एवं कुर्ता फैब्रिक में कॉटन एवं फैंसी में अरविन्द एवं नवसारी मिल के सूटिंग उत्पाद का प्रमुख ब्राण्ड ARZILO फैब्रिक की सप्लाई भी शामिल है।

लेडीज ड्रेस मटीरियल में अहमदाबाद की पीजी, अरविन्द एवं दिव्या इत्यादि भी शामिल हैं। मार्केटिंग सेल्स के तहत सम्पूर्ण यूपी, बिहार, एमपी, झारखण्ड की वस्त्र मण्डियों में माल सप्लाई कर रहे हैं। कोरोना से यह वर्ष सभी व्यापारियों के लिए संघर्षमय रहा। सब ठप्प हो गया था, परंतु धीरे-धीरे पुनः पटरी पर आ रहे हैं एवं कोविड के साथ रहते हुए कार्य कर रहे हैं।

मिल सेक्टर में कई ब्राण्ड्स के मालों की आपूर्ति में बनाई बेहतर पहचान कादम्बरी ट्रेडर्स

कानपुर/ स्थानीय होलसेल कपड़ा व्यवसाय में प्रतिष्ठित फर्मों में शुमार कादम्बरी ट्रेडर्स अपना बेहतर नेटवर्क स्थापित करते हुए वर्तमान में यह सूटिंग-शर्टिंग फैब्रिक के कई नामचीन ब्राण्ड के उत्पाद की आपूर्ति कर रही है।

इस क्षेत्र में कार्य की शुरूआत श्री राधाकिशन श्रीवास्तव द्वारा सन् 1982 में की गई थी। तब से कारोबार में निरन्तर सफलता अर्जित की है। व्यापार में शुरूआती दौर से ही इनके पुत्र श्री कमल कुमार श्रीवास्तव कार्य देखने लगे थे और वर्तमान में ये अपने बेहतर अनुभव एवं कार्य कुशलता से अपनी पेढ़ी में कई उम्दा ब्राण्ड्स शामिल कर चुके हैं। व्यापार में सहयोगी के रूप में इनके भ्राता श्री महेश कुमार एवं श्री अवधेश कुमार श्रीवास्तव भी संयुक्त रूप से प्रबन्ध व्यवस्था में सफलतापूर्वक कार्य सम्पादित कर रहे हैं।

उत्पाद

फर्म अपने व्यापार में सूटिंग-शर्टिंग, शेरवानी, फैन्सी कुर्ता, फैन्सी जेण्ट्स सूट आदि की सप्लाई कर रही है। सूटिंग क्षेत्र में प्रसिद्ध ब्राण्ड टूवेल्यू, डोनियर, सियाराम, (कडिनी), मितवा सूटिंग (EMEF), आदि शामिल हैं। शर्टिंग आपूर्ति में मितवा, केल्विन, अशवीरा, मन्थन, (सूटिंग-शर्टिंग), गुडविल, टूवेल्यू शामिल हैं। शेरवानी सप्लाई में मितवा टूवेल्यू, डोनियर आदि एवं अरविन्द शर्टिंग के सभी ब्राण्ड्स की सप्लाई फर्म द्वारा की जा रही है। यूनिफॉर्म फैब्रिक सियाराम के यूनिकोड की बेहतर सेल है। फर्म मिक्स मेच पेकिंग के अन्तर्गत इन सभी कम्पनियों के उत्पाद सप्लाई कर रही है।

प्रमोशन कार्यक्रम... फर्म वर्ष में एक बार व्यापारियों को डिस्प्ले स्कीम बुकिंग के आयोजन के तहत फॉरेन ट्रिप एवं लोकल ट्यूर पर ले जाने का भी अवसर प्रदान करती है।

सेल्स क्षेत्र... कानपुर सहित उत्तर प्रदेश मध्यप्रदेश एवं बिहार की वस्त्र मण्डियों में मजबूत पकड़ है।

शर्टिंग सेगमेण्ट में ब्राण्डेड कम्पनियों के उत्पादों की आपूर्ति में प्रसिद्ध मन्नत टेक्सटाइल

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में श्री कँवलजीत सिंह ने सन् 2012 में सूटिंग-शर्टिंग से कपड़ा व्यापार का शुभारम्भ किया एवं इस क्षेत्र में निरन्तर अनुभव हासिल करते हुए कारोबार में सफलता प्राप्त की है। ये अपने प्रतिष्ठान में विशेषकर शर्टिंग फैब्रिक में ब्राण्डेड मिलों का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में ओनली विमल सूटिंग ब्राण्ड (रिलांयस), गीजा बाई सोकटास ग्रुप, केल्विन एवं पीजी शर्टिंग फैब्रिक की आपूर्ति कर रहे हैं। इनकी मार्केटिंग ऑल ओवर यूपी में एजेण्ट के मार्फत एवं सेल्स नेटवर्क द्वारा की जा रही है और इसके लिए बेहतर नेटवर्क स्थापित किया गया है। इन्होंने बताया कि हमारी फर्म केवल प्रीमियम ब्राण्ड ही सप्लाई करती है, जिसमें फैंसी प्रिण्ट एवं जेकार्ड की डिमाण्ड बेहतर होती है। विमल ब्राण्ड में पीवी सूटिंग, वर्स्टेड एवं कोम्बो में माल सप्लाई कर रहे हैं।

For Trade Inquiry - 9839281199

P J
पुष्कर मल जयप्रकाश
न्यू लॉन्चिंग
मैजिक, 40 पीवी, 40 पीसी, खादी
पीसी 112-सेण्टीमीटर, क्रेप सूरत-112 सेण्टीमीटर,
कोम्बो पीस, पेण्ट-शर्ट, सिंगल शर्ट पीस,
आर.सी. 112सेण्टीमीटर, इत्यादि।
रेमण्ड कॉटन एवं फेंसी शर्टिंग के निर्माता
Shop No 19-20 Garg Market, 32/41 Ghumni Bazar, KANPUR-1
Ph.: 0512-2377710 Mob: 09651028459, 9839144926
E-mail: pmjp.agarwal@yahoo.com

कानपुर कपड़ा उत्पादन क्षेत्र में प्रसिद्ध कम्पनी

पुष्करमल जयप्रकाश

कानपुर/ स्थानीय कपड़ा मण्डी में घुमनी बाजार स्थित कम्पनी गिरधारीलाल राकेश कुमार सन 1966 से इस क्षेत्र में कार्यरत है। वर्तमान में श्री राजकुमार एवं श्री जयप्रकाश के संयुक्त नेतृत्व में सफलतापूर्वक व्यापार कर रहे हैं। कम्पनी स्वयं के ब्राण्डनेम से कपड़ा बनाती है, जो पी.जे. ब्राण्डनेम से प्रसिद्ध है। इसके अन्तर्गत प्लेन शर्टिंग रेमण्ड (4325) बटर सॉफ्ट -मिंकल, ड्रील माइक्रो व पायजामा क्लॉथ, 65/2, 40 पीवी×40 पीवी, 40 पीसी× 40 पीसी, खादी, स्कूल चैक्स व फैंसी लिनन आदि में लगभग 60 कलर में माल तैयार करके व्यापारियों को आपूर्ति कर रहे हैं। स्कूल यूनिफॉर्म में भी विस्तृत रेंज का निर्माण कर आपूर्ति कर रहे हैं। शर्टिंग 36'' पने में विशेषकर बना रहे हैं, इनकी सप्लाई व्यापारियों के अलावा गारमेण्टरों को भी की जा रही है। श्री राजकुमार ने बताया कि पीजे हमारा रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क है जिसके अन्तर्गत कानपुर शहर, यूपी राज्य के साथ साथ अन्य मण्डियों में सप्लाई की जा रही है, कम्पनी और कई व्यापारियों को व्यापार में शामिल करने की इच्छुक है, अतः इसके लिए सम्पर्क किया जा रहा है। न्यू लॉन्चिंग- व्यापार में बाजार की डिमाण्ड अनुसार इन्होंने इनोवेशन करते हुए और क्वलिटियों की लॉन्चिंग की, जिसमें पीसी 112 सेमी., सूरत केप - 112 सेमी. एवं कोम्बो पैकिंग उत्पादों में पेण्ट-शर्ट, सिंगल शर्टपीस एवं आरसी - (112 सेमी.) में माल सप्लाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त कोम्बो में लगभग 6-7 तक वैरायटियों में पैकिंग उत्पाद भी सप्लाई कर रहे हैं।

सूटिंग-शर्टिंग होलसेल आपूर्ति में प्रतिष्ठित फर्म

एम. के. टेक्सटाइल

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में होलसेल सूटिंग-शर्टिंग आपूर्ति में सफलतापूर्वक कार्य करते हुए ऑनर श्री सुनील कुमार खट्टर ने अपना बेहतर नेटवर्क स्थापित किया है। सन् 1987 में इस क्षेत्र में कारोबार की शुरूआत की, तब से निरन्तर बाजार को ट्रेण्ड के अनुसार माल सप्लाई करते आ रहे हैं।

शुरूआती फर्म तुलसी टेक्सटाइल से व्यापार में मिली सफलता के बाद कार्य विस्तार के अन्तर्गत 2011 में सहयोगी फर्म एम के टेक्सटाइल की स्थापना की, जिसमें और कई कम्पनियों को शामिल किया।

इसी बीच सन् 2000 में सहयोगी फर्म आर एम एजेन्सीज की शुरूआत की गई थी, जो वर्तमान में सूटिंग-शर्टिंग की क्वालिटी उत्पादों की सप्लाई कर रही है। तुलसी टेक्सटाइल के अन्तर्गत प्रसिद्ध ब्राण्ड एब्सोलूटो, नवसारी कॉटन, मफतलाल, बजाज फैब की विभिन्न फैन्सी रेंज एवं लिनन फैब्रिक की सप्लाई कर रहे हैं। इसी तरह एम.के. टेक्सटाइल में मितवा, लॉयल, जी.सी. एवं ई.एम.ई.एफ ब्राण्ड्स के उत्पाद शामिल हैं। कारोबार में शामिल युवा प्रबन्धक श्री मोहित खट्टर ने बताया कि बाजार में वर्तमान समय में उपभोक्ता लिनन कॉटन लिनन, डिजिटल प्रिण्ट आदि में बेहतर खरीदी कर रहा है एवं आगे लगन एव ईद के लिहाज से कुर्ता लोन में भी अच्छी डिमाण्ड के अन्तर्गत हमारी फर्म कम्पलीट तैयारी कर चुकी है।

M.K. Textiles
R.M. Agencies
Textile Agent Mitva LOYAL
Mitva GEE CEE EMEF
c/o. TULSI TEXTILES
Wholesale Dealer of Fancy Suiting & Shirting
ÀBSOLUTO Bajaj fab Mafatlal Navsari Cotton Mills
56/57, Kahoo Kothi, Kanpur- 01, M. 9839105513
M.9839665135, E-mail: rm_agencies@ymail.com

AE Anuj Enterprises
Ajay : 093368-18346
DEALING IN:
Spun Saree, Cotton Saree, Cotton Suit, Rubia,
Popline Austher Speciality in Bleach,
Cambric for Erode Manufacturer
49/12, General Ganj, (Above Vandana Sarees)
Kanpur-1, Ph.: 0512-2366998, 3044806

वुमन्स वीयर फैब्रिक उत्पादों की आपूर्ति तथा कॉटन साड़ी एवं लेडीज सूट सप्लाई के लिये शीर्ष एजेंसी

अनुज एण्टरप्राइजेज

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में प्रतिष्ठित फर्म अनुज एण्टरप्राइजेज पिछले 20 वर्षो से एजेन्सी कार्य के अन्तर्गत विभिन्न सेगमेन्ट में कपड़ा सप्लाई का कार्य कर रही है। कार्य की शुरूआत करने वाले संस्थापक श्री अशोक अग्रवाल ने अपने कार्यकौशल से इस क्षेत्र में अपनी बेहतर पहचान बनाई है। व्यापार में इनके साथ युवा सुपुत्रों में श्री अजय अग्रवाल एवं श्री अनुज अग्रवाल अपने अनुभव से इसका कुशल संचालन कर रहे हैं।

श्री अग्रवाल ने अपने कार्य क्षेत्र की जानकारी देते हुए बताया कि एजेन्सी कार्य के अन्तर्गत देश की कई कपड़ा उत्पादक मण्डियों से कारोबार कर रहे हैं जिसमें अहमदाबाद, जेतपुर, पाली, बालोतरा, मुम्बई एवं इरोड़ निर्मित मालों की सप्लाई शामिल है।

प्रमुख उत्पादों में स्पन साड़ी, कॉटन साड़ी, कॉटन सूट, रूबिया, पोपलीन, अस्तर, इरोड़ ब्लीच एवं केम्ब्रिक की मुख्यतौर पर हमारी फर्म सप्लाई करती है, जिसमें वुमन्सवीयर के उपयोगी फैब्रिक में क्वालिटी उत्पाद शामिल हैं। इनकी फर्म कानपुर मण्डी में कॉटन फैब्रिक सप्लाई में ऊपरी पायदान पर है। विदित है कि कुछ वर्षो से कॉटन वस्त्रों का चलन दिनोंदिन बढ़ रहा है।

वर्तमान बाजार की स्थिति के बारे में बताया कि कोरोना महामारी ने सम्पूर्ण विश्व को बदलकर रख दिया और काफी कुछ सीखने को भी मिला। इसमें व्यापार के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखने के अलावा अब लम्बी उधारी से बचना होगा। इन्होंने कहा कि जब बाजार खुलने लगे थे, तब सेल अच्छी हुई और कार्य आगे बढ़ा। अब आगामी सीजन में काफी अपेक्षाएँ हैं।

दूल्हा सजाये सबसे खास...
The Complete Man Raymond SINCE 1925

Readymade & Suiting-Shirting
Sherwani, Kurta-Pajama
BABA KI DUKAN
49/15, General Ganj, (Opp. Prabhat Hotel) Kanpur - 208 001 (U.P.)
Mobile: 98390-81513
Email: babakidukan@vsnl.net

Pushkarlal
Badriprasad & Sons
LINEN MANTRA ORGANIC FUSION
JINDAL FAB SUITINGS & SHIRTINGS
BSL SUITINGS
Bajaj fab SUITINGS & SHIRTINGS
GH GEOFFREY HAMMONDS
PEE GEE FABRICS PEHNO GARV SE
56/67, Kahoo Kothi, Kanpur- 208 001
Ph.: 0512-2376565, Mob.: 9415043646, 9935943646
E-mail: pbandsons@gmail.com

अग्रवाल शर्टिंग प्रा.लि. की एक दिवसीय लखनऊ डिस्प्ले बुकिंग कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी की प्रसिद्ध होलसेल कम्पनी अग्रवाल शर्टिंग प्रा.लि. द्वारा पिछले माह की 23 मार्च को एक दिवसीय बुकिंग कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कम्पनी के प्रबन्धक श्री सीताराम अग्रवाल एवं श्री सन्दीप अग्रवाल ने बताया की लखनऊ स्थित प्रसिद्ध होटल गोल्डन टुलिप में यह आयोजन सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि एक दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में देश के नामचीन ब्राण्ड एब्सोलूटो सूटिंग, लुथाई न.1 शर्टिंग, स्पन वेल - सूटिंग एवं मिएस्टा एथेनिक वीयर के उत्पादों का भव्य डिस्प्ले किया गया, जिसमें इनके ब्राण्ड्स की कई उम्दा क्वालिटियों का प्रदर्शन किया। इस दौरान शिरकत करने आये सम्मानित रिटेलर्स ने काफी उत्साह दिखाते हुए आगामी सीजन के लिहाज से भरपूर बुकिंग कराई। कार्यक्रम में ब्राण्ड्स के एजेण्ट श्री विवेक जैन (तिलक टेक्सटाइल एजेन्सी) ने बताया कि सभी ब्राण्ड्स के उत्पादों में अच्छी बुकिंग हुई। **इस समारोह में विश्व की न. 1 शर्टिंग कम्पनी लुथाई की डीलरशिप लेते हुए इस ब्राण्ड की भी भव्य ओपनिंग की गई। कार्यक्रम में एब्सोलुटो से श्री हर्ष सेकसरिया, स्पनवेल से श्री रिषि परसरामपुरिया एवं लुथाई से श्री हितेष, श्री विकास एवं श्री विनय उपस्थित थे।**

ब्राण्डेड एवं क्वालिटी सूटिंग शर्टिंग में अग्रणी कम्पनी अग्रवाल शर्टिंग प्रा. लि.

कानपुर/ थोक वस्त्र व्यवसाय में अग्रवाल शर्टिंग प्रा. लि. का नाम यहां के अग्रणी व्यापारियों की सूची में शुमार होता है। फर्म की स्थापना 37 वर्ष पूर्व श्री राम प्रकाश अग्रवाल द्वारा की गई थी। कारोबार में काफी समय से कार्य देख रहे श्री सीताराम अग्रवाल एवं श्री सन्दीप अग्रवाल संयुक्त रूप से कुशलता पूर्वक व्यापार का संचालन कर रहे हैं।

व्यापार के बारे में श्री सन्दीप अग्रवाल ने बताया कि हम सूटिंग-शर्टिंग के शीर्ष ब्राण्ड्स के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं, जिनमें डोनियर कॉटन, ट्रूवेल्यू, एब्सोल्यूटो, सियाराम, रॉयल लिनन एवं दुनिया की नं 1 शर्टिंग लुथाई की फैब्रिक शामिल है। व्यापार में ऐथेनिक वीयर में मिएस्टा एवं ऑस्कोन ब्राण्ड के उत्पाद जिसमें कोट जेकेटिंग (इण्डोवेस्टर्न) ब्लेजर, सदरी, (जैकार्ड उत्पाद) एवं अतिरिक्त फैंसी उत्पाद (पार्टी वीयर) तथा एक्सक्लूसिव रेंज में कुर्ता, पायजामा, लिनन व लिनन शर्टिंग की विभिन्न क्वालिटीयाँ शमिल है। स्कूल यूनिफॉर्म में क्यूमैक्स एवं स्पर्शफैब के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं। ईद के सीजन के लिहाज से सभी रेंज उपलब्ध हैं। बाजार में उपभोक्ता की डिमाण्ड के अनुसार कोर्डराय, जीन्स, डेनिम फैब्रिक भी हमारी कम्पनी आपूर्ति कर रही है। श्री अग्रवाल ने कहा कि कानपुर, इलाहाबाद, बनारस, देवरिया, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश व बिहार की और कई वस्त्र मण्डियों में बेहतर सेल्स नेटवर्क से कार्य हो रहा है।

श्री अग्रवाल कपड़ा व्यापार के अलावा रियल एस्टेट कारोबार में भी कार्य कर रहे हैं। इसमें कानपुर शहर में शानदार डुप्लेक्स एवं फ्लेट का निर्माण कर सेल कर रहे हैं। इस कार्य में इनके भाई श्री नन्द किशोर अग्रवाल एवं श्री सन्दीप अग्रवाल का काफी सक्रिय सहयोग है।

AGARWAL SHIRTING PVT. LTD.
TRUE VALUE Superfine Suitings & Shirtings
DONEAR COTTONS
Siyaram's ROYALE LINEN
ÀBSOLUTO FINER SIDE OF FASHION
MIEASTA
Luthai THE WORLD'S NO. 1 FABRIC
OSCON Ready to stitch by OSCON Desi
48/225, General Ganj, Kaupur 208 001 (UP)
Ph.: 0512-2388964, Mob.: 9918646986

Dhaniram
Omar and Sons
Manufacturer & Trader :
All Kinds of Suitings & Shirting
Kishan Gupta 9236993567 | Nitin Gupta 9451222223
Office: 50/48, NAUGHARA, Kanpur- 208 001 (UP)

Hotel Krishna Palace
AC Dormitory In Only Rs. 200/-
Near By Kapur Textile Wholesale Market
Near Textile Market, 57/99, Neel Wali Gali
(Near Kanodia Building) Kanpur- 208 001
Mob.: +91 63875-03743

Raymond राजस्थान चैनल पार्टनर मीट का सफल आयोजन

जयपुर/ टेक्सटाइल उद्योग जगत में विख्यात एवं अग्रणी मेन्स फैशन वीयर ब्राण्ड ''रेमण्ड'' ने हाल ही में **कम्पनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर** श्री गौतम हरि सिंघानिया की उपस्थिति में राजस्थान चैनल पार्टनर मीट का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान से आमन्त्रित मुख्य चैनल पार्टनर्स ने शिरकत की। इस अवसर विशेष पर श्री गौतम हरि सिंघानिया ने व्यक्तिगत रूप से सभी चैनल पार्टनर्स से आगामी रणनीति पर विचार विमर्श किया, साथ ही व्यापारियों द्वारा मिले फीडबैक को यथासंभव पूर्ण करने हेतु आश्वस्त भी किया।

इस आयोजन के आयोजक रेमण्ड राजस्थान के एजेन्सी पार्टनर श्री अभिषेक भार्गव ने बताया कि कम्पनी के शीर्ष नेतृत्व का इस प्रकार व्यापारियों से मिलना उनमें एक नए जोश के संचार का अहसास कराता है। देशभर के विभिन्न चैनल पार्टनर्स से मीटिंग के क्रम में राजस्थान मीट का यह आयोजन बेहद सफल रहा। कम्पनी के शीर्ष नेतृत्व ने व्यापार में आ रही दुविधाओं और आगामी दिनों में व्यापार को किस प्रकार बढ़ाया जाए, इन विषयों पर सकारात्मक विचार विमर्श किया।

कम्पनी के मुख्य प्रबंधन CEO श्री जोय कुरूविला (Sh. Joe Kuruvilla) एवं प्रेसीडेण्ट श्री एस. एल. पोखरना ने राजस्थान के चैनल पार्टनर्स को सम्बोधित करते हुए कहा ''रेमण्ड हमेशा से अपने एक्सक्लूसिव एवं यूनिक उत्पाद के लिए जाना जाता है। आप सभी पार्टनर्स रेमण्ड का परिवार हैं। आप सभी के स्नेह के कारण आज रेमण्ड ने घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में नया मुकाम हासिल किया है।'' उन्होंने रेमण्ड द्वारा जारी किए जा रहे नए व्यापार प्लेटफॉर्म से जुड़ने का आग्रह किया। साथ ही सप्लाई, प्रॉडक्शन एवं फैब्रिक ब्लेण्ड आदि विषयों पर सलाह मशविरा कर नए गुणवत्तायुक्त उत्पाद को जल्द क्रियान्वित करने के लिए विश्वास दिलाया।

ÀBSOLŪTO™ FINER SIDE OF FASHION की ऑल इण्डिया डीलर्स कॉन्फ्रेंस जयपुर में सम्पन्न

व्यापारियों ने सराहा नया कलेक्शन...जमकर कराई बुकिंग

जयपुर/ विख्यात फैंसी टीआर ब्राण्ड 'एब्सोल्यूटो' की 3 दिवसीय सेल्स कॉन्फ्रेंस का विगत दिनों जयपुर में भव्य आयोजन हुआ, जिसमें देश के सभी हिस्सों से एजेण्ट्स, डीलर्स एवं रिटेलर्स ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जयपुर स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, वेस्टर्न यूपी, मुम्बई, मध्यप्रदेश, कोलकाता, राजस्थान, चण्डीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड आदि राज्यों के व्यापारियों ने शिरकत की।

नए टीआर कलेक्शन को मिला सुपर रिस्पोंस

वैसे तो एब्सोल्यूटो ब्राण्ड की प्रत्येक रेंज फैशन के मापदण्डों पर हमेशा खरी उतरती है एवं फैशन पसंद हर आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'एब्सोल्यूटो' शुरूआत से ही नये-नये कलेक्शन्स पेश करता रहा है। इसी श्रंखला में जयपुर में आयोजित सेल्स कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित नये टीआर कलेक्शन को व्यापारियों से खूब सराहना मिली, वहीं व्यापारियों ने नये कलर्स एवं डिजाइंस में तैयार नये कलेक्शन की जमकर बुकिंग भी करवाई।

बेहतर होटल सलेक्शन एवं व्यवस्थाओं के लिए अम्बाला के प्रतिष्ठित होलसेल कपड़ा व्यवसायी श्री संजय गुप्ता एवं श्री मुकेश गुप्ता ने 'एब्सोल्यूटो' प्रबंधन की सराहाना की और धन्यवाद दिया, वहीं परिवार सहित जयपुर भ्रमण करवाने के लिए आभार व्यक्त किया। एब्सोल्यूटो प्रबंधन ने समापन अवसर पर सभी आगन्तुक मेहमानों से नए डेस्टिनेशन पर मिलने के वादे के साथ कॉन्फ्रेंस की सफलतापूर्वक सम्पन्नता के लिए सभी एजेंण्ट्स, डीलर्स एवं रिटेलर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया।

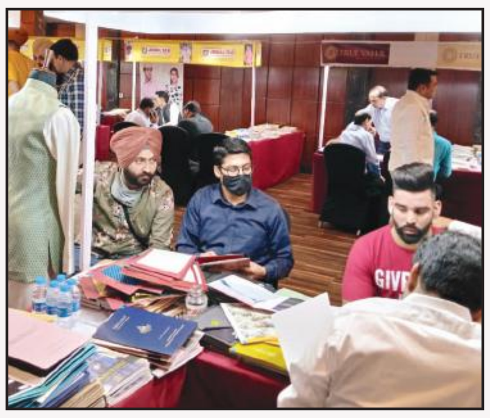

पृथ्वी टेक्सटाइल्स द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेल्स बुकिंग कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद/ स्थानीय वस्त्र मण्डी के जुड़वा शहर सिकन्दराबाद की प्रतिष्ठित होलसेल फर्म पृथ्वी टेक्सटाइल द्वारा पिछले माह की 21 मार्च को प्रसिद्ध होटल मैरियट में एक दिवसीय बुकिंग सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें नामचिन कम्पनी **अरविंद के प्रमुख ब्राण्ड्स में प्रिप्रेस शर्टिंग, ट्रेस्का सूटिंग-शर्टिंग एवं अरविंद की पीसी शर्टिंग के साथ टेसुटी, ओसीएम एवं इटालियन चैनल के प्रॉडक्ट्स का भव्य डिस्प्ले किया गया। जिसकी शानदार बुकिंग हुई।** इस आयोजन में लगभग 175 व्यापारियों ने शिरकत की एवं शीर्ष व्यापारियों में श्री राजू (आर एस ब्रदर्स) श्री डी आर एस चन्द्र गुप्ता (मॉडर्न स्टोर्स) श्री बुरूगू बालकृष्णा (श्री प्रिया मेन्स वीयर) श्री भावना रूषि (पूनम सलेक्शन) श्री पी वीराकुमार रेड्डी (आर एस टेक्सटाइल्स) की विशेष उपस्थिति रही। इस दौरान फर्म के ऑनर श्री प्रकाश लुनिया एवं किशोर लुनिया ने सम्मानित सभी व्यापारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पृथ्वी टेक्सटाइल के बढ़ते कदम....

पायल साड़ी सेण्टर, पंकज टेक्सटाइल हैदराबाद व पृथ्वी टेक्सटाइल का सन् 1973 में संयुक्त उपक्रम स्थापित किया गया था। इसमें पृथ्वी टेक्सटाइल्स 46 वर्षों से कार्यरत होकर विशद अनुभवी है। इसके संस्थापक श्री प्रकाश लूनिया के प्रयासों से यह फर्म आज इतनी बुलन्दियों तक पंहुची है। इन्होंने 1970 से व्यवसाय आरम्भ कर दिया था। आज यह आंध्रप्रदेश वे तेलंगाना के अग्रणी डीलर्स के रूप में सुस्थापित है। इसका मूल ध्येय वाजिब मूल्य में श्रेष्ठ क्वालिटी का वस्त्र उपलब्ध कराना है। कम्पनी अभी नामी कम्पनियां जैसे अरविन्द ट्रेस्का, अरविन्द प्रिप्रेस, अरविन्द्र पी.सी. टेसुटी, बारूके, ऑक्सफॉर्ड, एस. कुमार और इटालियन कलेक्शन का कार्य कर रही है। साड़ियों में लक्ष्मीपति, विपुल और सुभाष का कार्य करती है। कम्पनी की वार्षिक बिक्री 70000 मीटर की है। इनका सुस्थापित व्यवसाय है, जिसमें 35 से अधिक कर्मी कार्यरत होकर 15000 वर्ग फिट में वेयर हाउस बना हुआ है।

ये तकनीक के विस्तार के साथ आगे बढ़ने के उद्देश्य से इन्होंने संस्थान में ERP लागू किया है, इससे यह अधिक सक्षम और प्रभावशाली बन गया है। इससे सप्लायर एसोसिएटस, चेनल पार्टनर और प्रमुख डीलर्स इनसे जुड़ गए हैं। 2020 में इन्होंने आपकी वेब साइट भी लॉन्च की है। इस वेब साइट में केवल सेम्पल ही नहीं अपितु ट्राउजर, शर्ट बनने के बाद कैसे दिखते हैं, इसका समावेश भी किया गया है।

वो अन्नदाता हैं तो हम श्रमदाता हैं, हम विदेशी मुद्रा कमा कर लाते हैं और टैक्स भी देते हैं -विमल मेहता

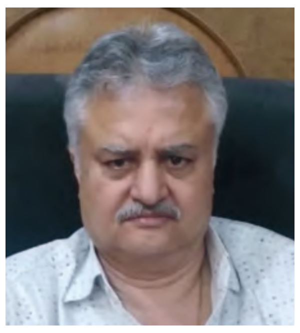

पानीपत / अशोक शर्मा

जैसा कि सबको ज्ञात है कि पानीपत एक ऐतिहासिक शहर है। विभाजन से पहले यहां कम्बल और ऊन का बहुत बड़ा उद्योग था। विभाजन के बाद जो लोग पानीपत में आकर बसे, वे भी हथकरघा उद्योग से जुड़े थे और संयोगवश एक ही बिरादरी के लोग थे। जिन्होंने अपनी मेहनत के बल पर पानीपत का नाम पूरे विश्व में चमका दिया।

परन्तु विगत वर्ष कोविड-19 के दौरान ऐसी मार पड़ी कि उद्योग पूरी तरह ठप्प हो गए। ऊपर से लेबर को संभालना बहुत कठिन हो गया। काम तो था नहीं, लेबर के खर्च ज्यों के त्यों थे। जैसे-तैसे उस प्राकृतिक आपदा के पीरियड को भी यहां के साहसी लोगों ने झेल लिया। दीपावली के समय उम्मीद जागी थी कि अबकी दिवाली पर काम की गति उभरेगी, मगर किसान आन्दोलन ने ऐसा भद्ठा बिठाया कि सबकुछ बिगाड़ कर रख दिया।

इसी संदर्भ में पानीपत के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं हथकरघा यूनियन के प्रमुख नेता श्री विमल मेहता (विमल हैण्डलूम इम्पोरियम वाले) ने उपरोक्त हालातों को बताते हुए कहा कि हमारी शहर की सभी एसोसिएशनों, ने सभी व्यापारी भाईयों ने किसानों के हित में बाजार तक बन्द कर दिए थे, परन्तु इस किसान आन्दोलन ने तो पानीपत की मण्डी का भट्ठा ही बिठा दिया है। महता ने बताया कि हमारा पानीपत जी.टी. रोड पर है और यहां सारा व्यापारी बाहर से आता है। जब लोग टी.वी. चैनलों पर किसान आन्दोलन एवं धरने आदि के समाचार सुनते हैं, तो वह भय के मारे पानीपत नहीं आते, क्योंकि दिल्ली में भी धरना है और पंजाब, हरियाणा बॉर्डर पर भी धरना है और बीच में है पानीपत। विशेषकर मध्यम स्तर वाले व्यापारी तो बिल्कुल नहीं आ रहे। श्री मेहता ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि किसानों के नाम पर कुछ लोग राष्ट्र का अहित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर वो अपने आपको अन्नदाता समझते हैं तो हम भी श्रमदाता हैं, जबकि हम अपनी मेहनत से जहां लाखों मजदूरों को रोजगार देते हैं, वहीं सरकार को भारी भरकम टैक्स देने के साथ साथ विदेशी मुद्रा भी कमा कर देते हैं, जबकि कोई टैक्स नहीं देना पड़ता और वह समय समय पर सब्सिडी आदि का लाभ भी प्राप्त करते हैं। क्या सरकार इस ओर ध्यान देगी? हम इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहते कि इसके पीछे किसकी गलती है किसान की या सरकार की, लेकिन सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता के तौर पर निपटाए और रास्ता खाली करवाए, ताकि उद्योग नगरी का पहिया फिर से चल सके। अगर व्यापारियों का पहिया चलता रहा तो सरकार का पहिया भी चलता रहेगा।

अब नवरात्रों से काम शुरू होने की आस -तरूण नागपाल

पानीपत / अशोक शर्मा

हैण्डलूम एसोसिएशन के सचिव एवं युवा समाजसेवी नेता श्री तरूण नागपाल ने एक विशेष भेंट में बताया कि पानीपत की हैण्डलूम मण्डी विगत वर्ष से जो भारी संकट झेल रही है, उसके प्रति अब हमारे नव वर्ष वि' मी सम्वत् 2078 पर आस बंधी है कि इस नव सम्वत् और शुभ नवरात्रों के प्रभाव से कुछ ग्राहकों की आवक बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हम लोग तो स्वयं मजदूर आदमी हैं। स्वयं मेहनत करते हैं. और परमात्मा भी मेहनत का फल अवश्य ही देते हैं। श्री नागपाल ने कहा हम स्वयं मजदूर हैं, इसीलिए लेबर की समस्या को भी अच्छी तरह समझते हैं और अपने से पहले लेबर की हर समस्या का समाधान करते हैं। यही कारण है कि हमारी इस हथकरघा मण्डी में लेबर टिकी हुई है। उन्होंने बताया कि इस बार कोरोना के कारण होली का वो विशाल समारोह भले हीं नहीं आयोजित किया गया, मगर एस.डी. कॉलेज रोड की तीनों एसोसिएशनों ने मिलकर होली मिलन को कोविड के अंतर्गत सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया, जिसमें अपने सभी उद्योगपति भाईयों ने मिलकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया और रंगों की बजाय फूलों से ही होली मनाई गई।

डालमिया सिन्थेटिक्स (गया) के लग्न उत्सव का सफल आयोजन

गया/रतनलाल पंडित

स्थानीय वस्त्र बाजार के प्रतिष्ठित होलसेल संस्थान डालमिया सिंथेटिक्स के तत्वावधान में 20 एवं 21 मार्च को होटल धम्मा ग्राण्ड एण्ड रिसोर्ट में दो दिवसीय भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। आगामी वैवाहिक सीजन के लिए आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में देश के प्रतिष्ठित सूटिंग-शर्टिंग, साड़ी, सूट्स व ड्रेस मटीरियल निर्माताओं ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। इस दौरान बिहार एवं आसपास के क्षेत्र के रिटेलर्स ने शिरकत की और आगामी वैवाहिक सीजन को देखते हुए जमकर बुकिंग कराई।

संस्था के **मुख्य संचालक श्री शिव कैलाश डालमिया (मुन्ना बाबू), श्री अभिषेक डालमिया, श्री गौतम डालमिया** एवं गणमान्य व्यापारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इस विशेष अवसर पर डालमिया सिन्थेटिक्स के प्रतिष्ठित एवं रेग्युलर व्यापारियों का सम्मानित भी किया गया। इस दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कोलकाता से आए कलाकारों ने कृष्ण रास लीला के मनमोहक दृश्य का मंचन किया। बॉलीवुड के विख्यात पार्श्वगायक श्री भाविन शास्त्री ने उत्कृष्ट प्रस्तुति के साथ सभी का मन मोह लिया। श्री शिव कैलाश डालमिया ने जानकारी दी कि यह आयोजन बेहद सफल रहा। इस अवसर पर सूटिंग, शर्टिंग, साड़ी सूट्स एवं सप्लायर्स ने अपने-अपने उत्कृष्ट उत्पाद रिटेलर्स के समक्ष प्रदर्शित किए और उनके अनुसार बुकिंग प्राप्त की। साथ ही कार्यक्रम के दौरान दी गई स्कीम्स का भी भरपूर लाभ उठाया। इस रिटेल कॉन्फ्रेंस के दौरान सियाराम, डोनियर, रीड एण्ड टेलर, आर.जे ग्रुप मुम्बई, श्रीयम सूटिंग भीलवाड़ा, लेडीज एण्ड किड्स गारमेण्ट ब्राण्ड Savase, एस के एण्टरप्राइजेज मुम्बई, राजलक्ष्मी साड़ी मुम्बई, विजय लक्ष्मी ग्रुप, सुजुकी टेक्स (पाली), सुरेश काबरा एजेन्सी पाली, सुविधा पोपलीन, प्रेम टेक्सटाइल एजेन्सी गया, लिनन फियेस्टा, रमेश शर्टिंग, बोम्बे रेयॉन, धन्नाशाली, टॉपमेन, गणगौर साड़ी, अन्यथा साड़ी (सूरत), लक्ष्मीपति, सालासर, लाइफ स्टाइल, सिंगार, चेतन हरि, अन्नू साड़ी, कलाश्री, राम रसिया, निष्ठा, केसरी नन्दन, शुभ हरि, शशि प्रिया, श्रेयस्कर, शकुन्तला, इण्डियन वूमन, कावेरी सिल्क मिल्स, मनीष टेक्सटाइल, सरगम साड़ी (बनारस), विक्की चुनरी हाउस, वर्णिका साड़ी कोलकाता, मनीष एण्टरप्राइजेज, एस.के.एस. साड़ी, श्री बालाजी एम्पोरियम, हरि प्रिया आदि सूटिंग शर्टिंग श्री बालाजी एम्पोरियम आदि, साड़ी, ड्रेस मटीरियल के प्रतिष्ठित व्यापारियों ने अपने श्रेष्ठ उत्पाद रिटेलर्स के समक्ष प्रदर्शित किए।

CHINAR FABRICS द्वारा आगरा में मेगा सेल्स कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

36''- 58'' शर्टिंग में 100% लिनन, लिनन कॉटन, पी.वी., कॉटन रेन्ज को मिला सुपर रिस्पॉन्स

भिवानी/ प्रतिष्ठित मेंस फैशन ब्राण्ड चिनार फैब्रिक्स द्वारा आगरा में 21 मार्च 2021 को मेगा सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के डीलर्स, एजेन्ट्स तथा रिटेलर्स ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कॉन्फ्रेंस का आयोजन होटल डबल ट्री बाई हिल्टन में किया गया। कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ आगरा के सासंद माननीय श्री एस.पी. सिंह बघेल ने किया। इस अवसर पर व्यापारियों सहित मिल के चेयरमेन श्री नन्दकिशोर अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक श्री पी.डी. अग्रवाल, मिल के डायरेक्टर श्री उज्वल अग्रवाल व मार्केटिंग अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल सहित मिल स्टाफ उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस में समर सीजन के लिए भव्य प्रदर्शनी लगाई गई। मिल के प्रबन्ध निदेशक श्री पी.डी. अग्रवाल ने बताया कि इस तरह की कॉन्फ्रेंस आयोजित कर हम आज के युग के फैशन परिधान के आईडियाज प्राप्त करते हैं। फिर उसी के अनुरूप फैब्रिक तैयार कर बाजार में लॉन्च करते हैं। इससे कपड़ा उपभोक्त ाओं की पकड़ में बना रहता है और उसकी बाजार में मांग भी बराबर बनी रहती है। श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि रिटेल व्यापारी मिल का दिल होता है और इन्हें और मजबूत करने के उद्देश्य से देशभर में रिटेल कॉन्फ्रेंस आयोजित होती रहती है, जिसमें हमें आशा अनुरूप सहयोग प्राप्त होता है। इस अवसर पर मिल के डायरेक्टर श्री उज्वल अग्रवाल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आज के परिधान के बारे में और देश के किस राज्य में कौनसी क्वालिटी ज्यादा चल रही है, उसके बारे में जानकारी मिलती है और फिर प्रॉडक्शन की एडवांस प्लानिंग उसी के अनुरूप तैयार की जाती है। फिर समय पर कपड़ा उपलब्ध करवाकर हम अपनी सेल को और अधिक बढ़ाने में सफल रहते हैं।

जीतो मेगा जैकपॉट लक्की ड्रॉ के विजेता रहे श्री परिदान (श्रीगंगानगर)

इस अवसर पर जीतो मेगा जैकपॉट लक्की ड्रॉ निकाला गया जिसके विजेता कुबेर टेक्सटाइल श्रीगंगानगर के डीलर श्री परिदान रहे। उन्होने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि चिनार फैब्रिक्स देश की विशेष फैब्रिक्स है, जिसकी देश में लगातार मांग बढ़ रही है। मैं देश के खुदरा व्यापारियों से अनुरोध करता हूँ कि आप सभी चिनार परिवार के साथ जुड़िये और अपनी खुशियों को पंख लगाईये।

न्यू कैटलॉग की लॉन्चिंग रही मुख्य आकर्षण का केन्द्र

चिनार फैब्रिक्स ने कॉन्फ्रेंस के दौरान SWAG एवं विवाह उत्सव केटलॉग की भव्य लॉन्चिंग की। इस अवसर पर 36'' - 58'' शर्टिंग में भी नए डवलपमेण्ट्स पेश किए। श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि चिनार फैब्रिक्स एक इम्पोर्टेड धागे से बना फैब्रिक्स है, जो रीजनेबल रेट्स में बहुत सारे न्यू कलर कॉम्बीनेशन के साथ बाजार में उतारा गया है और भारतीय कपड़ा बाजार में पहली पसन्द बना हुआ है। यह क्वालिटी बाजार में आने से चिनार फैब्रिक्स की सेल में भी इजाफा हुआ है। इस क्वालिटी में जो कलर बनाये गये हैं, वह एकदम आज की जनरेशन के हिसाब से बनाये गये हैं। SWAG व विवाह केटलॉग के बारे में बताया कि इस क्वालिटी को गिफ्ट के लिए स्पेशल तौर से बनाया गया है। इसमें सूटलेंथ का आकर्षक कलेक्शन तैयार किया गया है, जिसकी क्वालिटी और पैकिंग को देखने पर बार-बार खरीदने मन करता रहेगा। इसी के साथ-साथ बाजार में कंपनी 36'' - 58'' शर्टिंग 100 प्रतिशत लिनन, लिनन कॉटन, पी.वी. कॉटन इत्यादि में भी फुल रेंज उपलब्ध करा रही है। इसके चलते बाजार में चिनार फैब्रिक्स की सेल दो गुणा होने की सम्भावना है।

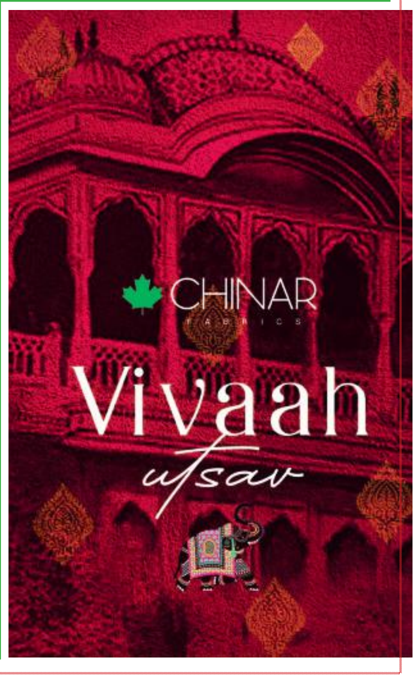

Colorjet & Konica Minolta – A Strategic Global Partnership

Two giants in their own spheres - Konica Minolta, Japanese multinational and world leader in optical digital print, and Colorjet, the largest manufacturer of digital inkjet printers in India have formed a strategic global alliance. As part of this renewal of decades old partnership, Konica Minolta would promote ColorJet digital textile printers through their global sales network.

This marks a new milestone between Konica Minolta and Colorjet would make it possible to offer comprehensive solutions to the digital textile print industry all over the world, using the combined technological and commercial channel leadership of both companies.

There are no other large format printer manufacturers other than Colorjet with a range of print solutions, which seamlessly integrate global best-in-class a much wider range of textile and apparel industry entrepreneurs and because an optimized value would be delivered in terms of product and service.

Initially, the strategic sales collaboration will start in China, Pakistan and subsequently the partnership will extend to other countries.

About ColorJet India Ltd:

ColorJet Group the largest manufacturer of digital inkjet

COLORJET
India's largest manufacturer of digital inkjet printers

KONICA MINOLTA

in the decades old strategic partnership of Colorjet & Konica Minolta.

ColorJet is the largest and leading digital printer manufacturer in India, well-known for delivering smart solutions of digital large format printers that enable users to enhance their business proposition and maximize their ROI.

For years, Colorjet Digital Textile Printers, for example, VastraJet and Metro have been designed around Konica Minolta's industry-leading cutting-edge reliable print heads - a testament to the long-standing and established business relationship between the two companies.

This strategic partnership technologies. Colorjet has been delivering enhanced business values to the most demanding of customers since 25 years with more than 4,500 Colorjet printer installations.

"The philosophy behind Colorjet products has been 'Smart Indian Engineering' for sustained long-term profit and this is what diverse customers want," MS Dadu, Chairman and Managing Director of Colorjet India, said.

The new strategic arrangement between Colorjet and Konica Minolta aims to result in a gain of 15-17% market share in their target countries. This would be made possible with the increased product range that would appeal to printers in India for Textiles and Signage, markets its products in 25 countries worldwide. Over 4,500 ColorJet printers are in operation around the world, across India, Middle East, Australia and Europe and the company keeps its presence strong, by exhibiting at various international exhibitions.

About Konica Minolta:

Konica Minolta was formed in 2003 with the management integration of Konica and Minolta. Konica started operations 140 years ago and Minolta has been operating for 85 years. Over the years, the two companies consistently played leading roles in Japan's optical equipment industry.

जीएसटी की दरों में बदलाव के संदर्भ में फोस्टा ने की राय मशविरे की मांग

श्री चम्पालाल बोथरा
सचिव, फोस्टा

सूरत/ फोस्टा ने वर्तमान जीएसटी काउन्सिल कमेटी की बैठक के प्रेसनोट एवं अखबारों के जरिये सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में बदलाव की चर्चा के सन्दर्भ में भारत सरकार के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, रेलमंत्री श्री पियूष गोयल, कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, रेवेन्यू सेक्रेटरी श्री अजय भूषण पाण्डेय, मुख्यमंत्री गुजरात राज्य श्री विजयभाई रूपाणी, उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल एवं जीएसटी काउन्सिल मेम्बर्स को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है कि कपड़ा उद्योग में जीएसटी की दरों में बदलाव से पहले हमारी संस्था का मंतव्य एवं उद्योग के उत्पादन व रोजगार के साथ एक्सपोर्ट व घरेलू मांग में विकास के लिये राय-मशविरा कर कोई निर्णय ले, ताकि उद्योग का हितार्थ बना रहे।

फोस्टा महामंत्री श्री चंपालाल बोथरा ने बताया कि कपड़ा उद्योग में जीएसटी की प्रोसेसिंग जॉबवर्क में अलग-अलग दरों की वजह से आने वाली समस्याओं से उत्पादन, रोजगार, एक्सपोर्ट, गारमेंट सभी क्षेत्रों में मध्यम श्रेणी के व्यापारी का व्यापार प्रभावित हुआ है। ऐसे में जीएसटी की दरों में किसी भी तरह के बदलाव से पहले राय-मशविरा एवं कठिनाइयों पर परामर्श करना उचित होगा, जिससे व्यापार सुचारू रूप से चालू रहे।

कोरोना वैक्सिनेशन के लिए फोस्टा की अपील

फैडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन, सूरत (फोस्टा) की ओर से लगातार कोरोना वेक्सीनेशन की अपील की जा रही है। सूरत मण्डी के सबसे बड़े औद्योगिक संगठन फोस्टा के सचिव श्री चम्पालाल बोथरा ने चर्चा के दौरान बताया कि फोस्टा लगातार स्थानीय प्रशासन एवं राज्य सरकार से सम्पर्क बनाये हुए है। मार्केट में व्यापारी वर्ग को होने वाली असुविधाओं से बचाने के लिए सरकारी गाइडलाइन का लगातार प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है, वहीं स्थानीय प्रशासन की मदद से टेक्सटाइल मार्केट में बड़ी संख्या में वेक्सीनेशन सेण्टर बनाये गए हैं, जहां पर कोरोना के टीके लगाये जा रहे हैं।

कोरोना के बढ़ते डर से पूरे देश में कामकाज पर बुरा असर

अहमदाबाद/ सांवलाराम चौधरी

पिछले काफी समय से कोरोना के केसों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। देश के 11 राज्यों में स्थिति बहुत ही गंभीर बनी हुई है। कहीं पर आंशिक लॉकडाउन है और कहीं पर पूरे लॉकडाउन की अफवाहों से समस्त देश का माहौल खराब हो चुका है, जिसके कारण व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पूरे देश की व्यापारिक नगरी मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में कोरोना की स्थिति बहुत ही भयावह होती जा रही है। अगर स्थिति नहीं संभली तो महाराष्ट्र में लॉकडाउन होने के पूर्ण आसार नजर आ रहे हैं। होली के त्यौहार में काफी मजदूर वर्ग अपने गांव चले गए थे। वो अब वापस आने से कतरा रहे हैं, इससे उद्योग धंधे प्रभावित हो रहे हैं अब व्यापारियों को रमजान व वैवाहिक सीजन खराब होने का डर सता रहा है। पूरे साल में यही समय होता है, जब व्यापार जोरों पर रहता है। वर्ल्ड इकनोमिक फॉरम की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 तक 10 में से छः की नौकरी जाने की पूरी संभावना है आने वाले समय में कोरोना नियंत्रण में नहीं आता है, तो वित्तीय स्थिति बहुत ही खराब हो सकती है।

उधर सरकार असम, बंगाल आदि में जंगी चुनावी सभाए कर रही है व बिना मास्क के हजारों में जनता आ रही है, फिर कोरोना को कौन रोक पायेगा।

मार्च एण्डिंग व अप्रैल में बैंकों में काफी छूट्टियां होने से कामकाज प्रभावित हो रहा है। ग्रे बाजार में तेजी का माहौल थम गया है। व्यापारी नया माल लेने से घबरा रहे हैं कि पहले लॉकडाउन था और अब कुछ प्रतिबंध आ जायेंगे, तो क्या करेंगे।

बाजार में ग्राहकी का इंतजार है, कामकाज बहुत ही कम मात्रा में हो रहा है। गर्मी का पारा भी बढ़ जाने से दिन में बाजार सुनसान नजर आ रहे हैं। बाहर आने वाले व्यापारी भी आरटीपीसीआर टेस्ट कराने से डर रहे हैं, इसलिए बाहर का कोई भी व्यापारी नहीं आ रहा है।

सरकार द्वारा कोरोना वैक्सीन का प्रबंध सब बाजारों में रखा गया है, उसका व्यापारी लाभ ले रहे हैं। बाजार में पैसों की तंगी बरकरार है। ग्राहकी नहीं चलने से व्यापारी परेशान है। बाजार में गर्मी के कपड़े की मांग चालू है, जिसमें जाय साटन, पीसी, पीवी केम्ब्रिक व प्रिण्ट के मालों में लेवाली बताई जा रही है। कच्चे सूट की डिमांड ज्यादा नहीं है, कुर्ती में भी थोड़ी बहुत ग्राहकी चल रही है। रेयॉन, रेयॉन स्लब, रेयॉन जरी, रेयॉन प्रिण्ट की भी थोड़ी-थोड़ी डिमाण्ड बताई जा रही है। यहां के व्यापार में अब प्रिंट की भी थोड़ी-थोड़ी डिमांड बताई जा रही है। व्यापार में अब कोरोना के बाद बहुत ही बदलाव आ गया है, कोई भी व्यापारी ज्यादा समय की उधारी में अपना माल नहीं बेचना चाहता हैं। जो व्यापारी 6 महीने में पेमेंट नहीं मांगते थे, वह भी ज्यादा से ज्यादा 30 दिन की उधारी में ही माल बेच रहे हैं।

जहां ग्रे बाजार में 5 से 6 महिने की उधारी में माल आता था, वह अभी 15 से 20 दिन का हो गया है। उधर साउथ (इरोड़) का रेयॉन ग्रे का माल एडवान्स पेमेण्ट में आने लगा है। कपड़े का व्यापार अब धीरे-धीरे सुधर रहा है क्योंकि कोई भी व्यापारी ज्यादा दिन की उधारी देने को राजी नहीं है, जिससे व्यापारी सोच समझकर माल बनाते हैं व खरीदी करते हैं। रमजान मास 14 अप्रैल से चालू हो रहा है, जिसमें अच्छी बाकी चलने की आशा है। उधर कलर, केमिकल लाकड़ा और सभी कच्चे माल के भाव अभी से 30 प्रतिशत बढ़ जाने से प्रोसेस हाउस वाले भी डाइंग प्रिंटिंग के भाव बढ़ाने के लिए तैयार बैठे हैं, मगर ग्राहकी नहीं होने से भाव बढ़ाने के सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

यार्न रेट्स Yarn Rate+GST

5 अप्रैल, 2021

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	NA
2/30 PC TFO	NA
2/40 PC Dimond	NA
2/40 PC White Gold	NA
2/30 Black Poly	NA
1/18 Black Poly	NA

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	215
2/40 Dyed	253
2/50 Dyed	305

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	NA
2/32 Pvt HD Frosted	NA
2/32 Pvt HD Grindle	NA
2/40 Pvt HD Solid	NA
2/40 Pvt HD Frosted	NA

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	170 + GST
30 Poly Grey	155 + GST
2/30 Black	185 + GST
320 Text DMS	109 + GST

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	210
2/40 Solid TFO	250
25 Syro	-----
2/30 Frosted	209
2/30 Black	202
2/40 Black	235

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	172+GST
2/30 PV	200+GST
2/20 PV 65/35	NA
15S PV	160+GST
2/24 PV	190+GST
2/30 Polyester TFO	165+GST
2/20 Polyester TFO	NA

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	150
2/30 65/35 Black	215
2/30 65/35 Gray	190
2/40 65/35 Black	250
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	230

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141413144

JAGDAMBA SPINNING MILLS

2/30 PV GREY	202
2/24 PV GREY	194
2/20 PV GREY	186
2/18 PV GREY	178
2/15 PV GREY	170
1/20 PV GREY	165
1/15 PV GREY	158
1/10 PV GREY	156
2/30 POLY GREY	170
2/24 POLY GREY	164
2/20 POLY GREY	158
2/15 POLY GREY	150
1/15 PLOY GREY	140
1/10 POLY GREY	136
1/8 POLY GREY	136

SIVANTA SPG.

2/40 PV GREY	235
2/30 PV GREY	198
1/40 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

ANKUR UDYOG

2/30 PV GREY	198
1/15 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

K.K. SPINTEX PVT. LTD.

2/60 PV GREY	320
2/50 PV GREY	280
2/40 PV GREY	240

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/20 SILKY	228	2/40 PVT TBL Frosted Thrill	216
1/20 DYED LYCRA	324	2/40 PVT Fancy Thrill	228
1/20 DYED 65/35 HT	224	2/40 PVT Fancy Thrill 45/24	241
1/30 Dyeds Fancy	260	2/50 Dyeds Non TBL	329
2/30 Dyeds NTBL Frosted	234	**Grey**	
2/30 Airjet DYED 65/35	258	2/40 AIRJET DYED	258
2/28 Dyed Lycra	319	2/38 LYCRA DYED	344
2/40 Dyeds Non TBLMelange	272	2/48 LYCRA DYED	362

टेक्सटाइल वर्ल्ड
यार्न रेट्स और समाचार पत्र प्राप्त करनें के लिये सम्पर्क करें।
फोन न. 01482-237165
मो. 8387844798

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	233
2/18 Dyed	206
2/40 Dyed	273
2/50 Dyed	323
2/30 Frosted	221
2/30 Dyed Slub	-----
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	-----

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	228
2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Comded	-----
30s Cotton Comded Weaving	-----
30s Cotton Semi Combed	-----
24s Cotton Comded	-----

Birla Tex Mills

2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Compact	-----
30s Cotton Com bed Weaving	-----
2/30 Cotton	-----
2/18 Dyed	192

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097

SIYARAM SILK MILLS

Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL
CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	595
16 Vardhaman ND	-----
20 Patiyala Silver	835
20s Puja viscous	650
16s cottspin	590
20s Mahadev	830
23 JS Viscous	700
20 VISCOUS	645
20 PREMIER.	810
20 Gc Thread Warp	835
20 JS	645
23 Solan	700
23 G.C. Nala Gragh	865

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	212
40's VSf	240
2/40' s VSf	260
30 SLUB	230
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143

150/2 Bright Dyed 170+Vat
180/2 Rayon Dyed 365+Vat
150/2 Bright White 140+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST

LNJ DENIM

6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	162 +GST
2/30 Cone Dyed	190 +GST
150 HIM Cone Dyed	152 +GST
300 HIM Cone Dyed	151 +GST
150/400 Gray	125 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	220
2/40 P/V	250
1/20 P/V	190
1/15 P/V	180

Janvi

15 Psy	148

ANKUR

2/30 Psy	184

TRIVENI

2/30 Black	195

Inclusive of 12 % GST

Shri Raj. Texchem Ltd., Shri Raj. Syntex, Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

2/40 PV Grey	215	1/10 PV Grey	151
2/30 PV Grey	188	**POLYESTER**	
2/24 PV Grey	182	2/30 Poly	162
2/20 PV Grey	170	2/20 Poly	155
2/18 PV Grey	168	2/15 Poly	140
2/15 PV Grey	164	1/15 Poly	130
1/15 PV Grey	152	1/10 Poly	129

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn

Quality	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00
85/300 Dyed	231.00	241.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00

Grey Yarn

Denier	Net Rate
80/300 Grey Yarn	136.00
80 Royal Warp Rotto	138.00
80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
80/2/72/300 FD Roto	191.00
80 Roto White Yarn	174.00
150/325 Twisted Grey	145.00
150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/500 Dope Dyed Black	149.00
155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00	2/45 Innova Dyed	234.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00	170/350 Bright Space Dyed	215.00
160 Bright Space Dyed	229.00	170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey	110-120
150 Roto Black	115-120
150 Roto Bright	120-130
150 Roto Dyed	120-130
150/250 Roto Grey	125
150/250 Roto Dyed	149-160
150 Fdy	105

P.V. Yarn

2/30 Grey CL	170
2/40 POLY	180
2/15 Poly CL	125
2/20 Poly CL	133
20 Poly	119-134

Cotton Yarn

4 CONE	55-69
6 CONE	60-90
8 CONE	75-100
10 CONE	75-100
2/4 CONE	60-82
2/6 CONE	75-110
2/8 CONE	84-120
2/10 CONE	85-130
2/20 CONE	145-185
2/30 CONE	225
2/40 CONE	255

STAPLE YARN

10 CONE	198
15 CONE	200
20 CONE	205
2/15 CONE	208
2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	220 + GST	2/80 PC Combed	355+ GST
2/60 PVT	230 + GST	2/76 Polyster	260+ GST
2/60 Polyster	260 + GST	2/60 P.V.	265+ GST

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023 RNI Registration No. 71772/98

सम्पादकीय....

कोरोना के संक्रमण का शिकंजा

यह बेहद चिंता और अफसोस की बात है, कि तमाम सावधानियों और दिशा-निर्देशों के बावजूद भारत ने कोरोना सं मण के मामले में अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोरोना की दूसरी लहर में रविवार रात तक 24 घंटों के दौरान मिले सं मण के मामले 1,03,764 तक पहुंच गए। प्रतिदिन के कुल मामलों में करीब दस-दस हजार की वृद्धि हो रही है, इससे सं मण के बढ़ते खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, 9 फरवरी को दैनिक मामले 11 हजार तक गिर गए थे और ऐसा लगने लगा था कि कोरोना का बुरा दौर बीत गया। सबसे बुरा दौर 10 सितंबर के आसपास दर्ज हुआ था, जब रोजाना के मामले करीब 98 हजार तक पहुंचने लगे थे। महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब देश में एक दिन के अंदर कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले आए हैं। दुनिया में इसके पहले केवल अमेरिका ही एक ऐसा देश है, जहां एक दिन में एक लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। अब अमेरिका में जहां प्रतिदिन 70 हजार के करीब मामले आ रहे हैं, वहीं भारत एक लाख के पार पहुंच गया है। अगर यही रफ्तार रही, तो अप्रैल घातक सिद्ध होगा। भारत चूंकि अमेरिका की तुलना में चार गुना से ज्यादा आबादी वाला देश है, इसलिए आंकड़े कहां जाकर दम लेंगे, सोचना भी भयावह है। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए एक उच्च स्तरीय बैठक की है। कोरोना पर नियंत्रण पाने के लिए लोगों में जागरूकता और लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। अब केंद्र सरकार अगर बढ़ते मामलों और मौतों को देखते हुए महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्रीय टीमें भेज रही है, तो यह जरूरी कदम है। कोरोना के खिलाफ अपनाए जाने वाले उपायों को और मजबूत करने व इन्हें बेहतर तरीके से लागू करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों में कोरोना के दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, जिसका खामियाजा ये प्रदेश भुगत रहे हैं। इन तीनों राज्यों और खासकर महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी स्थिति है। कई राज्यों ने अपने यहां प्रवेश करने वालों के लिए कोरोना जांच को अनिवार्य बनाया है, पर व्यावहारिक रूप से देख लेना चाहिए कि क्या वाकई आदेशों की पालना हो रही है? क्या हमने हवाई अड्डों पर कोरोना जांच की व्यवस्था को सोलह आना दुरुस्त कर लिया है? जहां एक ओर, सरकार को नए सिरे से जागना होगा, तो वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों को कोरोना की उछाल के वैज्ञानिक कारणों की पड़ताल भी करनी होगी। लोगों के बीच कई तरह की भ्रांतियां फैलने लगी हैं। लोगों को इस खतरे के प्रति पूरी तरह सूचित व सचेत करना होगा। सरकार के कोविड-19 टास्क फोर्स के शीर्ष सदस्य डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने बताया है कि म्यूटेंड स्ट्रेन्स मामलों में आने वाले उछाल का एक बड़ा कारण है। उन्होंने कुछ सुझाव भी साझा किए हैं, जिनमें कंटेनमेंट जोन बनाना, लॉकडाउन, जांच, खोज और क्वारंटीन करना शामिल है। आशंका है, सरकार को लॉकडाउन जैसी कड़ाई के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। विचारणीय स्थिति यह है कि यह देश क्या एक और लोकडाउन झेलने की स्थिति में है? कतई नहीं। ऐसे में हर नागरिक का दायित्व बनता है कि वह कोरोना के प्रति सजग हों, सावधानी बरतें। प्रशासन भी अपने स्तर पर निर्देशों की पालना सख्ती के करवाना सुनिश्चित करें।

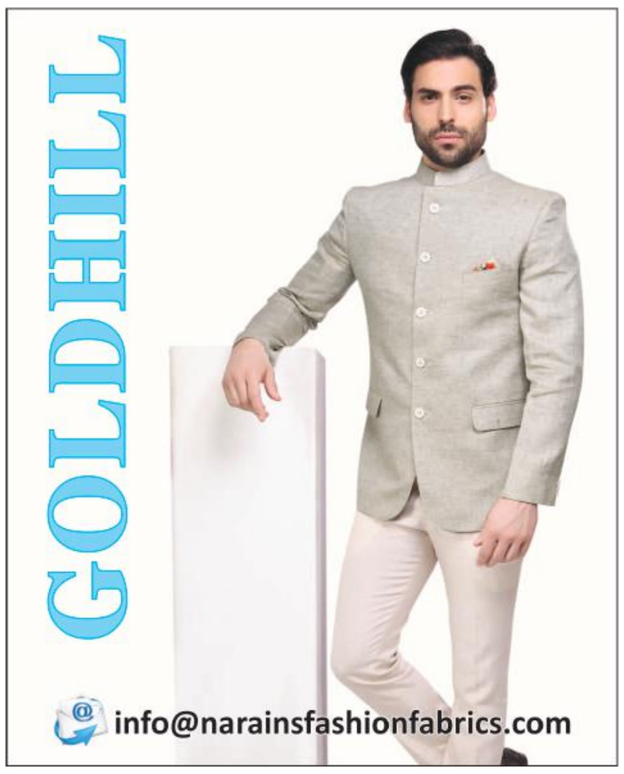

भारत से रुई का आयात करेगा पाकिस्तान

■ अगस्त 2019 से बंद था दोनों देशों में व्यापार, रुई के भाव में गिरावट

■ आवक घटी, अब तक 46 लाख गांठ का निर्यात हो चुका है

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

हाजिर बाजार में रुई का भाव न्यूनतम समर्थन भाव की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक बताया जा रहा है। बाजार में आवक तथा भाव घटे हैं। इंटरनेशनल मार्केट में भारतीय रुई प्रतिस्पर्धी है। कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के पास 51लाख गांठ रुई है, जिसका कलर सहज पीला पड़ने की बात सामने आ रही है, जबकि पिछले वर्ष की 45 लाख गांठ रुई को बेचने में कोई परेशानी नहीं हुई।

इसी तरह महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव कॉटन ग्रोवर्स मार्केटिंग फेडरेशन के पास भी छह लाख गांठ रुई पड़ी है, जिसमें भी इसी तरह की समस्या बताई जा रही है। इस सीजन में करीब 75 लाख गांठ निर्यात करने का लक्ष्य है, अतः इस समस्या का समाधान जल्द होना जरूरी है।

अक्टूबर से शुरू हुई सीजन में सीसीआई और महाराष्ट्र फेडरेशन ने किसानों के पास से न्यूनतम समर्थन भाव पर करीब 100 लाख गांठ रुई की खरीदी की है। केंद्र सरकार ने इस सीजन के लिए प्रति क्विंटल 5515 रू न्यूनतम समर्थन भाव घोषित की है। सीसीआई ने इस सीजन में रुई का निर्यात अनुमान पिछले महीने के 65-70 लाख गांठ से बढ़ाकर 70-75 लाख गांठ कर दिया है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अनुमान 60 लाख गांठ का है। पिछले वर्ष 50 लाख गांठ का निर्यात देश से किया गया था। इस सीजन में अब तक 46लाख गांठ निर्यात किए जाने की रिपोर्ट है, जो मुख्यतया बांग्लादेश, वियतनाम, चीन को किया गया है। कुछ देश इसमें और शामिल हैं। अब ऐसी रिपोर्ट है कि विदेशी ग्राहक भारतीय रुई की गुणवत्ता हल्की होने की बात कह कर इसे नहीं खरीद रहे हैं। भारतीय रुई के निर्यात को कदाचित इससे झटका लग सकता है। साउथ इंडिया मिल्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी के सेल्वाराजू ने कहा कि जो रुई सीसीआई ने नहीं खरीदी, उसे दूसरे व्यापारियों ने 500से 700 रू कम भाव देकर खरीदा है। इस वर्ष रुई के रंग में थोड़ी समस्या है। पिछले वर्ष की रूई गुणवत्ता की दृष्टि से बहुत अच्छी थी लेकिन सीसीआई के सीएमडीपी के अग्रवाल ने गुणवत्ता की किसी समस्या से इनकार किया और कहा कि हमारे पास अच्छी किस्म की रुई है। सीसीआई ने किसानों के पास से अच्छी किस्म की रुई की खरीदी की है। बाजार सूत्रों का कहना है कि सीसीआई ने अपना निर्यात भाव इंटरनेशनल मार्केट के समकक्ष ऑफर किया था, लेकिन न्यूयार्क बेंचमार्क में गिरावट आने के बाद सीसीआई को पिछले सप्ताह अपने निर्यात भाव को घटाने पड़े हैं। न्यूयार्क में रुई का भाव प्रति पाउंड 86.13 सेंट से घटकर 84.32 सेंट हो गया।

इसमें आई गिरावट का असर भारतीय रुई के भाव पर पड़ा है, चाहे वह निर्यात भाव हो अथवा स्थानीय स्तर पर बिक्री का भाव। संकर 6 रुई का भाव प्रति खंडी 45900 से 46200 रू. से घटकर अब 45100 से 45500 रू. बोला गया। गुजरात में कपास के भाव पिछले महीने की तुलना में प्रति क्विंटल 150 से 200 रू. तक घटे हैं। अभी बाजार की चाल रुई की मांग के अनुकूल है।

फैशन आइटम्स की ऑनलाइन बिक्री बढ़ी : संगठित खिलाड़ी भी मजबूत

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट में कारोबार ठहर सा गया है। कपड़ा उद्योग को इससे झटका लगा है। आगे की बिक्री की सीजन में कारोबार घटने का भय सताने लगा है। ऐसा माना जा रहा है कि सीजन में कारोबार ठीक से नहीं चला, तो इसका विपरीत असर कपड़ा उद्योग की पूरी चैन पर हो सकता है। वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए बड़ी रेंज के उत्पादों में पहले से तैयारी की जाती है। कारण कि इस तरह के आइटमों की खरीदी ऑनलाइन संभव नहीं होने से व्यापारी ऐसे आइटमों की खरीदी जांच परख कर के ही करते हैं। देसावरी मंडियों की मांग नहीं है। उत्पादकों तथा व्यापारियों के पास आर्डर कम आ रहे हैं। जो आर्डर पहले से ही थे, उनकी डिलीवरी में भी कोई दम नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि फैंसी कपड़ों और फैशन आइटमों की ऑनलाइन बिक्री बढ़ी है। संगठित क्षेत्र के बड़े खिलाड़ियों की बिक्री में अच्छी वृद्धि होने की जानकारी मिल रही है। उन सभी बड़े ब्रांडों में कारोबार अच्छा है, जो ऑनलाइन के प्रमुख प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। ऑनलाइन में अभी भी ऐसे ब्रांड पर बड़ा डिस्काउंट देकर उन्हें बेचा जा रहा है, परंतु यह सीमित ग्राहकों तक है। बड़े पैमाने पर ग्राहक दुकानों में जाकर ही गार्मेंट खरीदना पसंद करते हैं। इन खिलाड़ियों की आक्रामक बिक्री नीति के चलते छोटे रिटेलर्स के हाथ से धंधा निकलता जा रहा है। छोटे रिटेलर्स का धंधा अभी भी आधे से कम है, यदि लॉकडाउन लगता है तो इसका बुरा असर सीधा धंधे पर होगा। कोरोना केस बढ़ने से लॉकडाउन की संभावना बढ़ी है, यद्यपि सरकार की ओर से अभी जगह-जगह आंशिक लॉकडाउन लगाने और कठोर कदम उठा कर नियंत्रण में लाने की तैयारी लगती है, तथापि लोगों में फिर अनिश्चितता एवं अविश्वास का वातावरण बनता दिखाई दे रहा है। ग्राहकों की कोशिश सिर्फ जरूरी चीजों की खरीदी करने पर है। लोग स्वयं भी किसी आसन्न संकट का सामना करने के लिए तैयार रख रहे हैं। सीजन के फेल होने का भय बना हुआ है। राज्य सरकार द्वारा उत्सवों पर प्रतिबंध और वैवाहिक समारोहों पर कठोर नियंत्रण लगाने से व्यापारियों में निराशा है। इसकी सबसे अधिक मार छोटे कारोबारियों पर पड़ने की संभावना है। फेडरेशन ऑफ रिटेल क्लॉथ डीलर्स एसोसिएशन के व्यापारियों ने इसका विरोध किया है और कहा कि सरकार को वैकल्पिक उपायों पर विचार करना चाहिए। लॉकडाउन ही इसका समाधान हो, ऐसा नहीं होना चाहिए। छोटी दुकानों का धंधा वैसे भी कम हो गया है। व्यापारियों का मानना है कि एक अच्छी बिक्री की सीजन सामने है, लोगों की तैयारी इस सीजन में पिछले वर्ष के खोट को कुछ हद तक पूरा करने का है। ऐसे में लॉकडाउन लगाया जाता है, तो रिटेलर्स का धंधा चौपट हो जाएगा, दुकानों में काम कर रहे स्टाफ बेरोजगार हो जाएंगे। ऑनलाइन की बिक्री का असर पहले से ही इन रिटेलर्स को झेलना पड़ रहा है और अब ये किसी नई चुनौती को झेलने की स्थिति नहीं है।

कॉटन यार्न के भाव तर्कसंगत नहीं होने का असर कपड़ों के उत्पादन पर

मुंबई/ यार्न बाजार में कॉटन यार्न मस्ती की चाल में चल रहा है। मांग के साथ भाव भी मजबूत हैं। यद्यपि कच्चे माल रुई में गिरावट आई है। लेकिन कॉटन यार्न के भाव में किसी तरह की नरमी नहीं है। स्पिनिंग मिलें और यार्न एजेंटों की बन आई है, जबकि वीवर्स और व्यापारियों को कारोबार घटने से परेशानी हो रही है। कॉटन यार्न के कारण सूती कपड़ों के भाव में जबरदस्त उछाल आया है। कॉटन यार्न में इस तरह का उछाल अतिरिक्त माना जा रहा है। एक व्यापारी ने बताया कि रुई के भाव में 10 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले में कॉटन यार्न में 40 प्रतिशत की भाव वृद्धि तर्कसंगत नहीं हो सकती है। इसका असर कपड़ों की पूरी वैल्यू चैन पर अब दिखाई देने लगा है। बाजार में अब 80/80 काउंट यार्न बंद होने के कगार पर पहुंच गया है, इसकी बाजार में भारी कमी है। बहुत अधिक भाव बढ़ जाने से इस तरह के यार्न का उपयोग कर कपड़ों का उत्पादन करना तथा उसे बेचना वीवर्स के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस कारण वीवर्स ने ऐसे यार्न के बदले विकल्पों पर विचार करना शुरू कर दिया है। 60/60 काउंट यार्न को लेकर इसी तरह की धारणा है। यह यार्न भी अतिशय महंगा हो गया है। इस कारण आधे से अधिक वीवर्स ने इस यार्न का उपयोग टालना शुरू कर दिया है। मौजूदा दौर में भयंकर गर्मी के बीच उत्पादन बनाए रखना कठिन है, तथापि कपड़ों का उत्पादन करने के लिए 20, 30 और 40 काउंट यार्न का उपयोग किया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से यार्न मार्केट में तेजी का रुख कायम है। हालांकि मार्केट में यार्न की कमी नहीं है, फिरभी भाव तर्कसंगत नहीं हो सके हैं। इस तरह का ट्रेंड सिर्फ कॉटन यार्न तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंथेटिक यार्न, होजरी यार्न, पीसी, पीवी तथा लिनन के भाव बढ़े हैं। होजरी में इस्तेमाल कोम्ब्ड यार्न पिछले कुछ महीनों में लगातार बढ़ता रहा है लेकिन वीवर्स को जितनी परेशानी कॉटन यार्न से हुई है, उतनी किसी अन्य यार्न से नहीं हुई है। यह सीजन कॉटन कपड़ों की है। ऊंचे भाव के कारण कॉटन कपड़ों का उत्पादन बनाए रखना मुश्किल है। कॉटन कपड़ों को लेकर हाल जिस तरह की स्थिति बनती जा रही है, यह आगामी प्रोग्रामों के लिए उचित नहीं है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।